चतुर्दश माला, खंड 32, अंक 1

सोमवार, 25 फरवरी, 2008
6 फाल्गुन, 1929 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

(हिन्दी संस्करण)

तेरहवां सत्र
(चौदहवीं लोक सभा)

Committee & Debates Unit
Parliament Library Building
Room No. FB-025
Block 'G'
Acc. No. 74
Dated 16 Jan 2009

(खंड 32 में अंक 1 से 10 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : अस्सी रुपये

सम्पादक मण्डल

पी.डी.टी. आचारी
महासचिव
लोक सभा

रविन्द्र कुमार चड्डा
संयुक्त सचिव

प्रतिमा श्रीवास्तव
निदेशक

कमला शर्मा
संयुक्त निदेशक-I

सरिता नागपाल
संयुक्त निदेशक-II

अरुणा वशिष्ठ
सम्पादक

सुनीता थपलियाल
सहायक सम्पादक

(अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जायेगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जावेगा।)

विषय-सूची

[चतुर्दश माला, खंड 32, तेरहवां सत्र, 2008/1929 (शक)]

अंक 1, सोमवार, 25 फरवरी, 2008/06 फाल्गुन, 1929 (शक)

विषय	कॉलम
चौदहवीं लोक सभा के सदस्यों की वर्णानुक्रम सूची.	(ii)—(x)
लोक सभा के पदाधिकारी.	(xi)
मंत्रिपरिषद.	(xii)
राष्ट्रगान.	1
राष्ट्रपति का अभिभाषण.	1–18
निधन संबंधी उल्लेख.	19–24

चौदहवीं लोक सभा के सदस्यों की वर्णानुक्रम सूची

अंगड़ि, श्री सुरेश (बेलगाम)

अंतुले, श्री ए.आर. (कुलाबा)

अंसारी, श्री अफज़ाल (गाजीपुर)

अंसारी, श्री फुरकान (गोड्डा)

अग्रवाल, डा. धीरेंद्र (चतरा)

अजगल्ले, श्री गुहाराम (सारंगढ़)

अजनाला, डा. रतन सिंह (तरनतारन)

अजय कुमार, श्री एस. (ओट्टापलम)

अटवाल, श्री चरणजीत सिंह (फिल्लौर)

अडसूल, श्री आनंदराव विठोबा (बुलढाना)

अतिथन, श्री धनुषकोडी आर. (तिरुनेलवेली)

अनंत कुमार, श्री (बंगलौर दक्षिण)

अप्पादुरई, श्री एम. (तेनकासी)

अब्दुल्लाकुट्टी, श्री (कन्नानौर)

अब्दुल्ला, श्री उमर (श्रीनगर)

अम्बरीश, श्री एम.एच. (मांडया)

अय्यर, श्री मणिशंकर (मयिलादुतुरई)

अर्गल, श्री अशोक (मुरैना)

अहमद, डा. शकील (मधुबनी)

अहमद, श्री अतीक (फूलपुर)

अहमद, श्री ई. (पोन्नानी)

अहीर, श्री हंसराज गं. (चन्द्रपुर)

आचार्य, श्री प्रसन्न (सम्बलपुर)

आचार्य, श्री बसुदेव (बांकुरा)

आजमी, श्री इलियास (शाहाबाद)

आठवले, श्री रामदास (पंढरपुर)

आडवाणी, श्री लाल कृष्ण (गांधीनगर)

आदिकेसवुलु, श्री डी.के. (चित्तूर)

आदित्यनाथ, योगी (गोरखपुर)

आरुन रशीद, श्री जे.एम. (पेरियाकुलम)

इंगती, श्री बिरेन सिंह (स्वशासी जिला-असम)

इलेंगोवन, श्री ई.वी.के.एस. (गोविचेट्टिपालयम)

उरांव, डा. रामेश्वर (लोहरदगा)

ओराम, श्री जुएल (सुन्दरगढ़)

ओला, श्री शीश राम (झुंझुनू)

ओवेसी, श्री असादूद्दीन (हैदराबाद)

ओसमानी, श्री ए.एफ.जी. (बारपेटा)

कटारा, श्री बाबूभाई के. (दोहद)

कथीरिया, डा. वल्लभभाई (राजकोट)

कनोडीया, श्री महेश (पाटन)

कमलनाथ, श्री (छिंदवाड़ा)

करुणाकरन, श्री पी. (कासरगोड)

कलमाडी, श्री सुरेश (पुणे)

कश्यप, श्री बलीराम (बस्तर)

कस्वां, श्री राम सिंह (चुरू)

कादर मोहिदीन, प्रो. के.एम. (वेल्लौर)

कामत, श्री गुरुदास (मुम्बई उत्तर-पूर्व)

किन्डिया, श्री पी.आर. (शिलांग)

कुन्नुर, श्री मंजुनाथ (धारवाड़ दक्षिण)

कुप्पुसामी, श्री सी. (मद्रास उत्तर)

कुमार, श्रीमती मीरा (सासाराम)

कुमारी सैलजा (अम्बाला)

कुरुप, श्री सुरेश (कोट्टायम)

कुलस्ते, श्री फग्गन सिंह (मण्डला)

कुसमरिया, डा. रामकृष्ण (खजुराहो)

कृपलानी, श्री श्रीचन्द (चित्तौड़गढ़)

कृष्ण, श्री विजय (बाढ़)

कृष्णदास, श्री एन.एन. (पालघाट)

कृष्णन, डा. सी. (पोल्लाची)

कृष्णास्वामी, श्री ए. (श्रीपेरुम्बुदूर)

केरकेटा, श्रीमती सुशीला (खूँटी)

कोन्यक, श्री डब्ल्यू. वांग्यू (नागालैण्ड)

कोया, डा. पी.पी. (लक्षद्वीप)

कोरी, श्री राधेश्याम (घाटमपुर)

कोली, श्री रामस्वरूप (बयाना)

कौर, श्रीमती परनीत (पटियाला)

कौशल, श्री रघुवीर सिंह (कोटा)

खन्ना, श्री अविनाश राय (होशियारपुर)

खन्ना, श्री विनोद (गुरदासपुर)

खां, श्री सुनील (दुर्गापुर)

खारवेनथन, श्री एस.के. (पलानी)

खैरे, श्री चंद्रकांत (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)

गंगवार, श्री संतोष (बरेली)

गढ़वी, श्री पी.एस. (कच्छ)

गणेशन, श्री एल. (तिरुचिरापल्ली)

गदाख, श्री तुकाराम गंगाधर (अहमदनगर)

गद्दीगउडर, श्री पी.सी. (बागलकोट)

गमांग, श्री गिरिधर (कोरापुट)

गवली, श्रीमती भावना पुंडलिकराव (वाशिम)

गांधी, श्री राहुल (अमेठी)

गांधी, श्रीमती मेनका (पीलीभीत)

गांधी, श्रीमती सोनिया (रायबरेली)

गायकवाड, श्री एकनाथ महादेव (मुम्बई उत्तर-मध्य)

गाव, श्री तापिर (अरुणाचल पूर्व)

गावित, श्री माणिकराव होडल्या (नन्दुरबार)

गिल, श्री आत्मा सिंह (सिरसा)

गीते, श्री अनंत गंगाराम (रत्नागिरि)

गुढ़े, श्री अनंत (अमरावती)

गुप्त, श्री श्यामा चरण (बांदा)

गुलशन, श्रीमती परमजीत कौर (भटिंडा)

गेहलोत, श्री थावरचन्द (शाजापुर)

गोगोई, श्री दीप (कलियाबोर)

गोयल, श्री सुरेन्द्र प्रकाश (हापुड़)

गोविन्दा, श्री (मुम्बई उत्तर)

गोहेन, श्री राजेन (नौगांव)

गौडा, श्री डी.वी. सदानन्द (मंगलोर)

गौडा, श्रीमती तेजस्विनी (कनकपुरा)

घुरन राम, श्री (पलामू)

चक्रवर्ती, डा. सुजान (जादवपुर)

चक्रवर्ती, श्री अजय (बसीरहाट)

चक्रवर्ती, श्री स्वदेश (हावड़ा)

चटर्जी, श्री सांताश्री (सेरमपुर)

चटर्जी, श्री सोमनाथ (बोलपुर)

चन्द्र कुमार, प्रो. (कांगड़ा)

चन्द्रप्पन, श्री सी.के. (त्रिचूर)

चव्हाण, श्री हरिश्चंद्र (मालेगॉव)

चारेनामै, श्री मणि (बाहरी मणिपुर)

चालिहा, श्री किरिप (गुवाहाटी)

चावड़ा, श्री हरिसिंह (बनासकांठा)

चित्तन, श्री एन.एस.वी. (डिंडीगुल)

चिदम्बरम, श्री पी. (शिवगंगा)

चिन्ता मोहन, डा. (तिरुपति)

चौधरी, श्री अबू हशीम खां (मालदा)

चौधरी, डा. तुषार अमर सिंह (मांडवी)

चौधरी, श्री अधीर (बरहामपुर, पश्चिम बंगाल)

चौधरी, श्री निखिल कुमार (कटिहार)

चौधरी, श्री पंकज (महाराजगंज, उ.प्र.)

चौधरी, श्री बंसगोपाल (आसनसोल)

चौधरी, श्रीमती अनुराधा (कैराना)

चौधरी, श्रीमती रेनुका (खम्माम)

चौबे, श्री लाल मुनी (बक्सर)

चौरे, श्री बापू हरी (धुले)

चौहान, श्री नंद कुमार सिंह (खंडवा)

जगदीशन, श्रीमती सुब्बुलक्ष्मी (तिरुचेन्गोड़े)

जगन्नाथ, डा. एम. (नगर कुरनूल)

जटिया, डा. सत्यनारायण (उज्जैन)

जय प्रकाश, श्री (मोहनलाल गंज)

जय प्रकाश, श्री (हिसार)

जयाप्रदा, श्रीमती (रामपुर)

जाधव, श्री प्रकाश बी. (रामटेक)

जायसवाल, श्री श्रीप्रकाश (कानपुर)

जार्ज, श्री के. फ्रांसिस (इदुक्की)

जालप्पा, श्री आर.एल. (चिकबलपुर)

जावमा, श्री वनलाल (मिजोरम)

जावले, श्री हरिभाऊ (जलगांव)

जिन्दल, श्री नवीन (कुरुक्षेत्र)

जीगजीणगी, श्री रमेश चंदप्पा (चिक्कोडी)

जेना, श्री मोहन (जाजपुर)

जैन, श्री पुष्प (पाली)

जोगी, श्री अजीत (महासमुन्द)

जोगैया, श्री हरि राम (नरसापुर)

जोशी, श्री कैलाश (भोपाल)

जोशी, श्री प्रहलाद (धारवाड़ उत्तर)

झा, श्री रघुनाथ (बेतिया)

टाइटलर, श्री जगदीश (दिल्ली सदर)

ठक्कर, श्रीमती जयाबहन बी. (वडोदरा)

दुम्मर, श्री वी.के. (अमरेली)

डांगावास, श्री भंवर सिंह (नागौर)

डेलकर, श्री मोहन एस. (दादरा और नागर हवेली)

डोम, डा. रामचन्द्र (बीरभूम)

ढिल्लों, श्री शरनजीत सिंह (लुधियाना)

ढींडसा, श्री सुखदेव सिंह (संगरूर)

तंगबालु, श्री के.वी. (सेलम)

तस्लीमुद्दीन, श्री (किशनगंज)

तीरथ, श्रीमती कृष्णा (करोलबाग)

तोपदार, श्री तरित बरण (बैरकपुर)

त्रिपाठी, श्री चन्द्र मणि (रीवा)

त्रिपाठी, श्री बृज किशोर (पुरी)

थामस, श्री पी.सी. (मुवत्तुपुजा)

थुपस्तन, श्री छेवांग (लद्दाख)

दत्त, श्रीमती प्रिया (मुम्बई उत्तर-पश्चिम)

दरबार, श्री छत्तर सिंह (धार)

दास, डा. अलकेष (नवद्वीप)

दास, श्री खगेन (त्रिपुरा पश्चिम)

दासगुप्त, श्री गुरुदास (पंसकुरा)

दासमुंशी, श्री प्रियरंजन (रायगंज)

दिलेर, श्री किशन लाल (हाथरस)

दीक्षित, श्री सन्दीप (पूर्वी दिल्ली)

दूबे, श्री चन्द्र शेखर (धनबाद)

दूबे, श्री रमेश (मिर्जापुर)

देव, श्री बिक्रम केशरी (कालाहांडी)

देव, श्री वी. किशोर चन्द्र एस. (पार्वतीपुरम)

देव, श्री संतोष मोहन (सिल्चर)

देवरा, श्री मिलिन्द (मुंबई-दक्षिण)

देवेगौडा, श्री एच.डी. (हसन)

देशमुख, श्री सुभाष सुरेशचंद्र (शोलापुर)

धनराजू, डा. के. (टिंडिवनाम)

धर्मेन्द्र, श्री (बीकानेर)

धारावत, श्री रविन्दर नाइक (वारंगल)

धोत्रे, श्री संजय (अकोला)

नन्दी, श्री अमिताभ (दमदम)

नम्बाडन, श्री लोनाप्पन (मुकुन्दपुरम)

नरबुला, श्री डी. (दार्जिलिंग)

नरहिरे, श्रीमती कल्पना रमेश (उस्मानाबाद)

नरेन्द्र, श्री ए. (मेडक)

नाईक, श्री श्रीपाद येसो (पणजी)

नागपाल, श्री हरीश (अमरोहा)

नायक, श्री अनन्त (क्योंझर)

नायक, श्री ए. वेंकटेश (रायचूर)

नायक, श्रीमती अर्चना (केन्द्रपाड़ा)

निखिल कुमार, श्री (औरंगाबाद, बिहार)

निजामुद्दीन, श्री गुंडलूर (हिन्दुपुर)

निषाद, श्री महेन्द्र प्रसाद (फतेहपुर)

निहाल चन्द, श्री (श्रीगंगानगर)

पंडा, श्री ब्रह्मानन्द (जगतसिंहपुर)

पटेल, श्री किसनभाई वी. (बलसाड़)

पटेल, श्री जीवाभाई ए. (मेहसाना)

पटेल, श्री दाह्याभाई वल्लभभाई (दमन और दीव)

पटेल, श्री दिनशा (खेड़ा)

पटेल, श्री सोमभाई जी. (सुरेन्द्रनगर)

पटेल, श्री हरिलाल माधवजी भाई (पोरबंदर)

पटैरिया, श्रीमती नीता (सिवनी)

पानाबाका, श्रीमती लक्ष्मी (नेल्लौर)

परस्ते, श्री दलपत सिंह (शहडोल)

पल्लानी शामी, श्री के.सी. (करूर)

पलानीमनिक्कम, श्री एस.एस. (तंजावूर)

पवार, श्री शरद (बारामती)

पटले, श्री शिशुपाल (भन्डारा)

पाटसाणी, डा. प्रसन्न कुमार (भुवनेश्वर)

पाटिल (यत्नाल), श्री बसनगौडा आर. (बीजापुर)

पाटिल, श्री डी.बी. (नांदेड़)

पाटील, श्री जयसिंगराव गायकवाड़ (बीड)

पाटील, श्री दानवे रावसाहेब (जालना)

पाटील, श्री प्रतीक पी. (सांगली)

पाटील, श्री बालासाहिब विखे (कोपरगांव)

पाटील, श्री लक्ष्मणराव (सतारा)

पाटील, श्री श्रीनिवास दादासाहेब (कराड़)

पाटील, श्रीमती रूपाताई डी. (लातूर)

पाटील, श्रीमती सूर्यकांता (हिंगोली)

पाठक, श्री ब्रजेश (उन्नाव)

पाठक, श्री हरिन (अहमदाबाद)

पाण्डा, श्री प्रबोध (मिदनापुर)

पाण्डेय, डा. लक्ष्मीनारायण (मंदसौर)

पायलट, श्री सचिव (दौसा)

पॉल, डा. सिबैस्टियन (एर्णाकुलम)

पाल, श्री रूपचंद (हुगली)

पासवान, श्री रामचन्द्र (रोसड़ा)

पासवान, श्री राम विलास (हाजीपुर)

पासवान, श्री वीरचन्द्र (नवादा)

पासवान, श्री सुकदेव (अररिया)

पिंगले, श्री देविदास (नासिक)

पुरन्देश्वरी, श्रीमती डी. (बापतला)

पोटाई, श्री सोहन (कांकेर)

पोन्नुस्वामी, श्री ई. (चिदंबरम)

प्रधान, श्री अशोक (खुर्जा)

प्रधान, श्री धर्मेन्द्र (देवगढ़)

प्रधान, श्री प्रशान्त (कॉंटई)

प्रभु, श्री आर. (नीलगिरि)

प्रभु, श्री सुरेश प्रभाकर (राजापुर)

प्रसाद, कुंवर जितिन (शाहजहॉंपुर)

प्रसाद, श्री रामस्वरूप (नालन्दा)

प्रसाद, श्री लालमणि (बस्ती)

प्रसाद, श्री हरिकेवल (सलेमपुर)

फर्नान्डीज, श्री जार्ज (मुजफ्फरपुर)

फातमी, श्री मोहम्मद अली अशरफ (दरभंगा)

फैन्थम, श्री फ्रांसिस (नामनिर्दिष्ट)

बंगरप्पा, श्री एस. (शिमोगा)

बंसल, श्री पवन कुमार (चंडीगढ़)

बखला, श्री जोवाकिम (अलीपुरद्वार)

बघेल, प्रो. एस.पी. सिंह (जलेसर)

'बचदा', श्री बची सिंह रावत (अल्मोड़ा)

बब्बर, श्री राज (आगरा)

बर्क, डा. शफीकुर्रहमान (मुरादाबाद)

बर्मन, प्रो. बसुदेव (मथुरापुर)

बर्मन, श्री रनेन (बलूरघाट)

बर्मन, श्री हितेन (कूचबिहार)

बसु, श्री अनिल (आरामबाग)

बहुगुणा, श्री विजय (टिहरी गढ़वाल)

बाउरी, श्रीमती सुस्मिता (विष्णुपुर)

बादल, श्री सुखबीर सिंह (फरीदकोट)

''बाबा'', श्री के.सी. सिंह (नैनीताल)

बारकू, श्री शिंगाडा दामोदर (दहानु)

बारड़, श्री जसुभाई धानाभाई (जूनागढ़)

बालू, श्री टी.आर. (मद्रास दक्षिण)

बिश्नोई, श्री कुलदीप (भिवानी)

बिश्नोई, श्री जसवंत सिंह (जोधपुर)

बिसेन, श्री गौरीशंकर चतुर्भुज (बालाघाट)

बुधौलिया, श्री राजनरायन (हमीरपुर, उ.प्र.)

बेल्लारमिन, श्री ए.वी. (नागरकोइल)

बैठा, श्री कैलाश (बगहा)

बैनर्जी, कुमारी ममता (कलकत्ता दक्षिण)

बैस, श्री रमेश (रायपुर)

बैसीमुथियारी, श्री सानछुमा खुंगुर (कोकराझार)

बोचा, श्रीमती झांसी लक्ष्मी (बोब्बिली)

बोस, श्री सुव्रत (बारासाट)

भक्त, श्री मनोरंजन (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह)

भगोरा, श्री महावीर (सलूम्बर)

भडाना, श्री अवतार सिंह (फरीदाबाद)

भाईलाल, श्री (रॉबर्ट्सगंज)

भार्गव, श्री गिरधारी लाल (जयपुर)

भूरिया, श्री कांति लाल (झाबुआ)

मंडल, श्री अबु अयीश (कटवा)

मंडल, श्री सनत कुमार (जयनगर)

मंडलिक, श्री सदाशिवराव दादोबा (कोल्हापुर)

मनोज, डा. के.एस. (अलेप्पी)

मरन्डी, श्री सुदाम (मयूरभंज)

मरांडी, श्री बाबू लाल (कोडरमा)

मल्लिकार्जुनैया, श्री एस. (तुमकुर)

मल्होत्रा, प्रो. विजय कुमार (दक्षिण दिल्ली)

मसूद, श्री रशीद (सहारनपुर)

महताब, श्री भर्तृहरि (कटक)

महतो, श्री टेक लाल (गिरिडीह)

महतो, श्री नरहरि (पुरुलिया)

महतो, श्रीमती सुमन (जमशेदपुर)

महरिया, श्री सुभाष (सीकर)

महाजन, श्रीमती सुमित्रा (इन्दौर)

महावीर प्रसाद, श्री (बांसगांव)

मांझी, श्री राजेश कुमार (गया)

माकन, श्री अजय (नई दिल्ली)

माझी, श्री परसुराम (नवरंगपुर)

माझी, श्री शंखलाल (अकबरपुर)

माडम, श्री विक्रमभाई अर्जनभाई (जामनगर)

माधवराज, श्रीमती मनोरमा (उदुपी)

मान, श्री जोरा सिंह (फिरोजपुर)

माने, श्रीमती निवेदिता (इचलकरांजी)

मारन, श्री दयानिधि (मद्रास मध्य)

माहेश्वरी, श्रीमती किरण (उदयपुर)

मिडियम, डा. बाबू राव (भद्राचलम)

मिस्त्री, श्री मधुसूदन (साबरकांठा)

मिश्रा, डा. राजेश (वाराणसी)

मीना, श्री नमोनारायन (सवाई माधोपुर)

मुन्शी राम, श्री (बिजनौर)

मुकीम, मो. (डुमरियागंज)

मुखर्जी, श्री प्रणब (जंगीपुर)

मुत्तेमवार, श्री विलास (नागपुर)

मुनियप्पा, श्री के.एच. (कोलार)

मुफ्ती, सुश्री महबूबा (अनंतनाग)

मुर्मू, श्री रूपचन्द (झाड़ग्राम)

मुर्मू, श्री हेमलाल (राजमहल)

मूर्ति, श्री ए.के. (चेंगलपट्टू)

मेघवाल, श्री कैलाश (टोंक)

मेहता, श्री आलोक कुमार (समस्तीपुर)

मेहता, श्री भुवनेश्वर प्रसाद (हजारीबाग)

मैन्या, डा. टोकचोम (आंतरिक मणिपुर)

मैक्लोड, सुश्री इन्ग्रिड (नामनिर्दिष्ट)

मोरे, श्री वसंतराव (इरन्दोल)

मो. ताहिर, श्री (सुल्तानपुर)

मोल्लाह, श्री हन्नान (उलूबेरिया)

मोहन, श्री पी. (मदुरै)

मोहले, श्री पुन्नूलाल (बिलासपुर)

यादव, कुंवर देवेन्द्र सिंह (एटा)

यादव, डा. करण सिंह (अलवर)

यादव, प्रो. राम गोपाल (संभल)

यादव, श्री अरुण (खरगौन)

यादव, श्री अखिलेश (कन्नौज)

यादव, श्री अनिरुद्ध प्रसाद उर्फ साधु (गोपालगंज)

यादव, श्री उमाकान्त (मछलीशहर)

यादव, श्री एम. अंजनकुमार (सिकन्दराबाद)

यादव, श्री कैलाश नाथ सिंह (चन्दौली)

यादव, श्री गिरिधारी (बांका)

यादव, श्री चन्द्रपाल सिंह (झांसी)

यादव, श्री जय प्रकाश नारायण (मुंगेर)

यादव, श्री देवेन्द्र प्रसाद (झंझारपुर)

यादव, श्री धर्मेन्द्र (मैनपुरी)

यादव, श्री पारसनाथ (जौनपुर)

यादव, श्री बालेश्वर (पडरौना)

यादव, श्री मित्रसेन (फैजाबाद)

यादव, श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू (मधेपुरा)

यादव, श्री राम कृपाल (पटना)

यादव, श्री सीता राम (सीतामढ़ी)

यास्खी, श्री मधु गौड (निजामाबाद)

येरननायडु, श्री किन्जरपु (श्रीकाकुलम)

रंजन, श्रीमती रंजीत (सहरसा)

रघुपति, श्री एस. (पुडुकोट्टई)

रठवा, श्री नारनभाई (छोटा उदयपुर)

रवीन्द्रन, श्री पन्नियन (तिरुवनन्तपुरम)

राई, श्री नकुल दास (सिक्किम)

राजगोपाल, श्री एल. (विजयवाड़ा)

राजभर, श्री चन्द्रदेव प्रसाद (घोसी)

राजा, श्री ए. (पैरम्बलूर)

राजू, श्री एम.एम. पल्लम (काकीनाड़ा)

राजेन्तीरन, श्रीमती एम.एस.के. भवानी (रामनाथपुरम)

राजेन्द्र कुमार, श्री (हरिद्वार)

राजेन्द्रन, श्री पी. (क्विलोन)

राठौड़, श्री हरिभाऊ (यवतमाल)

राणा, श्री काशीराम (सूरत)

राणा, श्री गुरजीत सिंह (जालंधर)

राणा, श्री रविन्दर कुमार (खगड़िया)

राणा, श्री राजू (भावनगर)

राधाकृष्णन, श्री वरकला (चिरायिंकिल)

रानी, श्रीमती के. (रासीपुरम)

रामकृष्णा, श्री बाडिगा (मछलीपत्तनम)

रामचन्द्रन, श्री जिन्जी एन. (वन्डावासी)

रामदास, प्रो. एम. (पांडिचेरी)

राव, श्री के.एस. (एलूरू)

राव, श्री के. चन्द्रशेखर (करीमनगर)

राव, श्री डी. विट्टल (महबूब नगर)

राव, श्री पी. चलपति (अनकापल्ली)

राव, श्री रायापति सांबासिवा (गुंटूर)

रावत, प्रो. रासा सिंह (अजमेर)

रावत, श्री अशोक कुमार (मिसरिख)

रावत, श्री कमला प्रसाद (बाराबंकी)

रावत, श्री धनसिंह (बांसवाड़ा)

रावले, श्री मोहन (मुम्बई दक्षिण-मध्य)

रिजीजू, श्री कीरेन (अरुणाचल पश्चिम)

रियान, श्री बाजू बन (त्रिपुरा पूर्व)

रेंगे पाटील, श्री तुकाराम गणपतराव (परभनी)

रेड्डी, श्री अनन्त वेंकटरामी (अनन्तपुर)

रेड्डी, श्री एन. जनार्दन (विशाखापत्तनम)

रेड्डी, श्री एम. राजा मोहन (नरसारावपेट)

रेड्डी, श्री एम. श्रीनिवासुलु (ओंगोले)

रेड्डी, श्री एस. जयपाल (मिरयालगुडा)

रेड्डी, श्री एस.पी.वाई. (नांदयाल)

रेड्डी, श्री के.जे.एस.पी. (कुरनूल)

रेड्डी, श्री जी. करुणाकर (बेल्लारी)

रेड्डी, श्री मधुसूदन (आदिलाबाद)

रेड्डी, श्री वाई.एस. विवेकानन्द (कुडप्पा)

रेड्डी, श्री सुरवरम सुधाकर (नालगौंडा)

लक्ष्मण, श्रीमती सुशीला बंगारू (जालौर)

'ललन', श्री राजीव रंजन सिंह (बेगूसराय)

लालू प्रसाद, श्री (छपरा)

लाहिरी, श्री समिक (डायमंड हार्बर)

लिब्रा, सरदार सुखदेव सिंह (रोपड़)

वरकटकी, श्री नारायण चन्द्र (मंगलदोई)

वर्मा, श्री बेनी प्रसाद (कैसरगंज)

वर्मा, श्री भानु प्रताप सिंह (जालौन)

वर्मा, श्री रतिलाल कालीदास (धन्धुका)

वर्मा, श्री रवि प्रकाश (खीरी)

वर्मा, श्री राजेश (सीतापुर)

वर्मा, श्रीमती ऊषा (हरदोई)

वल्लभनेनी, श्री बालासोवरी (तेनाली)

वसावा, श्री मनसुखभाई डी. (भरूच)

वाघमारे, श्री सुरेश (वर्धा)

वाघेला, श्री शंकर सिंह (कपड़वंज)

वाजपेयी, श्री अटल बिहारी (लखनऊ)

वारसी, श्री अनिल शुक्ल (बिल्हौर)

विजयन, श्री ए.के.एस. (नागापट्टिनम)

विजयशंकरन, श्री सी.एच. (मैसूर)

विनोद कुमार, श्री बी. (हनमकोंडा)

विरुपाक्षप्पा, श्री के. (कोप्पल)

वीरेन्द्र कुमार, श्री (सागर)

वीरेन्द्र कुमार, श्री एम.पी. (कालीकट)

वुन्डावल्ली, श्री अरुण कुमार (राजामुंदरी)

वेंकटपति, श्री के. (कुड्डालोर)

वेंकटस्वामी, श्री जी. (पेद्दापल्ली)

वेणुगोपाल, श्री डी. (तिरुपत्तूर)

वेलु, श्री आर. (अर्कोनम)

शर्मा, डा. अरविन्द (करनाल)

शर्मा, डा. अरुण कुमार (लखीमपुर)

शर्मा, श्री मदन लाल (जम्मू)

शहाबुद्दीन, डा. मोहम्मद (सिवान)

शांडिल्य, डा. कर्नल (सेवानिवृत्त) धनीराम (शिमला)

शाक्य, श्री रघुराज सिंह (इटावा)

शाहीन, श्री अब्दुल रशीद (बारामूला)

शिवनकर, प्रो. महादेवराव (चिमूर)

शिवन्ना, श्री एम. (चामराजनगर)

शिवाजीराव, श्री अधलराव पाटील (खेड़)

शुक्लवैद्य, श्री ललित मोहन (करीमगंज)

शुक्ला, श्रीमती करुणा (जांजगीर)

शेखर, श्री नीरज (बलिया)

शेरवानी, श्री सलीम (बदायूं)

शैलेन्द्र कुमार, श्री (चायल)

श्रीकांतप्पा, श्री डी.सी. (चिकमगलूर)

संगमा, श्री पी.ए. (तुरा)

संगलिअना, डा. एच.टी. (बंगलौर उत्तर)

सईदा, श्रीमती रूबाब (बहराइच)

सज्जन कुमार, श्री (बाहरी दिल्ली)

सतीदेवी, श्रीमती पी. (बडागरा)

सर, श्री निखिलानन्द (बर्दवान)

सरडगी, श्री इकबाल अहमद (गुलबर्गा)

सरोज, श्री तूफानी (सैदपुर)

सरोज, श्री दरोगा प्रसाद (लालगंज)

सत्पथी, श्री तथागत (ढेंकानाल)

सत्यनारायण, श्री सर्वे (सिद्दीपेट)

सलीम, मोहम्मद (कलकत्ता उत्तर-पूर्व)

सहाय, श्री सुबोध कांत (रांची)

सांगवान, श्री किशन सिंह (सोनीपत)

साई प्रताप, श्री ए. (राजमपेट)

साय, श्री नन्द कुमार (सरगुजा)

साय, श्री विष्णु देव (रायगढ़)

सारदीना, श्री फांसिस्को कोज्मी (मरमुगावो)

साहु, श्री चंद्रशेखर (बरहामपुर, उड़ीसा)

साहू, श्री ताराचंद (दुर्ग)

सिंधिया, श्री ज्योतिरादित्य माधवराव (गुना)

सिंधिया, श्रीमती यशोधरा राजे (ग्वालियर)

सिंह, कुंवर मानवेन्द्र (मथुरा)

सिंह, कुंवर सर्व राज (आंवला)

सिंह, चौधरी लाल (उधमपुर)

सिंह, चौधरी विजेन्द्र (अलीगढ़)

सिंह, डा. रघुवंश प्रसाद (वैशाली)

सिंह, डा. राम लखन (भिण्ड)

सिंह, राव इन्द्रजीत (महेन्द्रगढ़)

सिंह, श्री अक्षय प्रताप (प्रतापगढ़)

सिंह, डा. अखिलेश प्रसाद (मोतिहारी)

सिंह, श्री अजित (बागपत)

सिंह, श्री उदय (पूर्णिया)

सिंह, श्री कल्याण (बुलन्दशहर)

सिंह, श्री कीर्ति वर्धन (गोंडा)

सिंह, श्री गणेश (सतना)

सिंह, श्री गणेश प्रसाद (जहानाबाद)

सिंह, श्री चन्द्रभान (दमोह)

सिंह, श्री चन्द्रभूषण (फरुखाबाद)

सिंह, श्री दुष्यंत (झालावाड़)

सिंह, श्री देवव्रत (राजनन्दगांव)

सिंह, श्री प्रभुनाथ (महाराजगंज, बिहार)

सिंह, श्री बृजभूषण शरण (बलरामपुर)

सिंह, श्री मानवेन्द्र (बाड़मेर)

सिंह, श्री मानिक (सीधी)

सिंह, श्रीमती मीना (बिक्रमगंज)

सिंह, श्री मोहन (देवरिया)

सिंह, श्री राकेश (जबलपुर)

सिंह, श्री रामपाल (विदिशा)

सिंह, श्री रेवती रमन (इलाहाबाद)

सिंह, श्री लक्ष्मण (राजगढ़)

सिंह, श्री विजयेन्द्र पाल (भीलवाड़ा)

सिंह, श्री विश्वेन्द्र (भरतपुर)

सिंह, श्री सरताज (होशंगाबाद)

सिंह, श्री सीताराम (शिवहर)

सिंह, श्री सुग्रीव (फूलबनी)

सिंह, श्री सूरज (बलिया, बिहार)

सिंह, श्रीमती कान्ति (आरा)

सिंह, श्रीमती प्रतिभा (मंडी)

सिंह देव, श्रीमती संगीता कुमारी (बोलनगीर)

सिकदर, श्रीमती ज्योतिर्मयी (कृष्णनगर)

सिद्दीश्वर, श्री जी.एम. (दावणगेरे)

सिद्धू, श्री नवजोत सिंह (अमृतसर)

सिप्पीपारई, श्री रविचन्द्रन (शिवकाशी)

सिब्बल, श्री कपिल (चांदनी चौक)

सील, श्री सुधांशु (कलकत्ता उत्तर-पश्चिम)

सुगावनम, श्री ई.जी. (कृष्णागिरि)

सुजाता, श्रीमती सी.एस. (मवेलीकारा)

सुब्बा, श्री मणी कुमार (तेजपुर)

सुब्बारायण, श्री के. (कोयम्बटूर)

सुमन, श्री रामजीलाल (फिरोजाबाद)

सुम्बरूई, श्री बागुन (सिंहभूम)

सुरेन्द्रन, श्री चेंगरा (अट्टूर)

सूर्यवंशी, श्री नरसिंगराव एच. (बीदर)

सेठ, श्री लक्ष्मण (तामलुक)

सेठी, श्री अर्जुन (भद्रक)

सेनथिल, डा. आर. (धर्मपुरी)

सेन, श्रीमती मिनाती (जलपाईगुड़ी)

सेलवी, श्रीमती वी. राधिका (तिरुचेन्दूर)

सोनोवाल, श्री सर्वानन्द (डिब्रुगढ़)

सोरेन, श्री शिबु (दुमका)

सोलंकी, श्री भरतसिंह माधवसिंह (आनन्द)

सोलंकी, श्री भूपेन्द्रसिंह (गोधरा)

स्वाईं, श्री खारबेल (बालासोर)

स्वाईं, श्री हरिहर (आस्का)

हनुमनथप्पा, श्री एन.वाई. (चित्रदुर्ग)

हमजा, श्री टी.के. (मंजेरी)

हर्ष कुमार, श्री जी.वी. (अमलापुरम)

हसन, चौ. मुनव्वर (मुजफ्फरनगर)

हान्डिक, श्री विजय (जोरहाट)

हुड्डा, श्री दीपेन्द्र सिंह (रोहतक)

हुसैन, श्री अनवर (धुबरी)

हुसैन, श्री अब्दुल मन्नान (मुर्शिदाबाद)

हुसैन, श्री सैयद शाहनवाज (भागलपुर)

हेगड़े, श्री अनंत कुमार (कनारा)

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री सोमनाथ चटर्जी

उपाध्यक्ष

श्री चरणजीत सिंह अटवाल

सभापति तालिका

श्री गिरिधर गमांग

डा. सत्यनारायण जटिया

श्रीमती सुमित्रा महाजन

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय

श्री बालासाहिब विखे पाटील

श्री वरकला राधाकृष्णन

श्री अर्जुन सेठी

श्री मोहन सिंह

श्रीमती कृष्णा तीरथ

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव

महासचिव

श्री पी.डी.टी. आचारी

मंत्रिपरिषद्

मंत्रिमंडल स्तर के मंत्री

डा. मनमोहन सिंह	प्रधानमंत्री तथा उन मंत्रालयों/विभागों के भी प्रभारी जो विशेष रूप से किसी अन्य मंत्री को आबंटित नहीं किये गये हैं, जैसे: 1. कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय; 2. योजना मंत्रालय; 3. परमाणु ऊर्जा विभाग; 4. अंतरिक्ष विभाग; 5. कोयला मंत्रालय; और 6. पर्यावरण और वन मंत्रालय
श्री प्रणब मुखर्जी	विदेश मंत्री
श्री अर्जुन सिंह	मानव संसाधन विकास मंत्री
श्री शरद पवार	कृषि मंत्री तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री
श्री लालू प्रसाद	रेल मंत्री
श्री ए.के. एंटनी	रक्षा मंत्री
श्री शिवराज वि. पाटील	गृह मंत्री
श्री ए.आर. अंतुले	अल्पसंख्यक मामले मंत्री
श्री सुशील कुमार शिंदे	विद्युत मंत्री
श्री राम विलास पासवान	रसायन और उर्वरक मंत्री तथा इस्पात मंत्री
श्री एस. जयपाल रेड्डी	शहरी विकास मंत्री
श्री शीश राम ओला	खान मंत्री
श्री पी. चिदम्बरम	वित्त मंत्री
श्री महावीर प्रसाद	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री
श्री पी.आर. किन्डिया	जनजातीय कार्य मंत्री
श्री टी.आर. बालू	पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
श्री शंकर सिंह वाघेला	वस्त्र मंत्री
श्री वायालार रवि	प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री
श्री कमल नाथ	वाणिज्य और उद्योग मंत्री
श्री हंस राज भारद्वाज	विधि और न्याय मंत्री
श्री संतोष मोहन देव	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

प्रो. सैफुद्दीन सोज	जल संसाधन मंत्री
डा. रघुवंश प्रसाद सिंह	ग्रामीण विकास मंत्री
श्री प्रियरंजन दासमुंशी	संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री
श्री मणि शंकर अय्यर	पंचायती राज मंत्री, युवक कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री
श्रीमती मीरा कुमार	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
श्री मुरली देवरा	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री
श्रीमती अम्बिका सोनी	पर्यटन और संस्कृति मंत्री
श्री ए. राजा	संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
डा. अंबुमणि रामदास	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
श्री कपिल सिब्बल	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
श्री प्रेमचंद गुप्ता	कार्पोरेट कार्य मंत्री

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

श्री आस्कर फर्नांडिस	श्रम और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्रीमती रेनुका चौधरी	महिला और बाल विकास मंत्रालय की राज्य मंत्री
श्री सुबोध कांत सहाय	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्री विलास मुत्तेमवार	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के राज्य मंत्री
कुमारी सैलजा	आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय की राज्य मंत्री
श्री प्रफुल पटेल	नागर विमानन मंत्रालय के राज्य मंत्री
श्री जी.के. वासन	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री

राज्य मंत्री

श्री ई. अहमद	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री सुरेश पचौरी	कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा ससंदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री विजय हान्डिक	रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती पानाबाका लक्ष्मी	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
डा. दासरि नारायण राव	कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री
डा. शकील अहमद	संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री
राव इन्द्रजीत सिंह	रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री नारनभाई रठवा	रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री के.एच. मुनियप्पा	पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री एम.वी. राजशेखरन	योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री कांतिलाल भूरिया	कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्री माणिकराव होडल्या गावित	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री श्रीप्रकाश जायसवाल	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री पृथ्वीराज चव्हाण	प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
श्री तस्लीमुद्दीन	कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती सूर्यकान्ता पाटील	ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी	मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री आर. वेलु	रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री एस.एस. पलानीमनिक्कम	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री एस. रघुपति	पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री के. वेंकटपति	विधि और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती सुब्बुलक्ष्मी जगदीशन	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री ई.वी.के.एस. इलेंगोवन	वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती कान्ति सिंह	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के भारी उद्योग विभाग में राज्य मंत्री
श्री नमोनारायन मीना	पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री जय प्रकाश नारायण यादव	जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री
डा. अखिलेश प्रसाद सिंह	कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री पवन कुमार बंसल	वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री आनन्द शर्मा	विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अजय माकन	शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री दिनशा पटेल	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री एम.एम. पल्लम राजू	रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
डा. टी. सुब्बारामी रेड्डी	खान मंत्रालय में राज्य मंत्री
डा. अखिलेश दास	इस्पात मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री अश्विनी कुमार	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग में राज्य मंत्री
श्री जयराम रमेश	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में राज्य मंत्री
श्री चन्द्रशेखर साहू	श्रम और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती डी. पुरन्देश्वरी	मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्री एम.एच. अम्बरीश	सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री
श्रीमती वी. राधिका सेल्वी	गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री

अंक 1, खंड 32, चौदहवीं लोक सभा के तेरहवें सत्र का प्रथम दिन

लोक सभा

सोमवार, 25 फरवरी, 2008/06 फाल्गुन, 1929 (शक)

लोक सभा अपराह्न 12 बजकर 25 मिनट पर समवेत हुई।

[**अध्यक्ष महोदय** *पीठासीन हुए*]

राष्ट्रगान

(राष्ट्रगान की धुन बजाई गई)

अपराह्न 12.26 बजे

राष्ट्रपति का अभिभाषण*

[अनुवाद]

महासचिव: मैं, 25 फरवरी, 2008 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण** (हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण) की एक प्रति सभापटल पर रखता हूं।

माननीय सदस्यगण,

मैं आप सभा का और देश की जनता का हार्दिक अभिनंदन करती हूं। संसद का यह अधिवेशन ऐसे समय पर हो रहा है जब अर्थव्यवस्था प्रगति पर है। मेरी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतया कटिबद्ध है कि आर्थिक विकास की यह प्रक्रिया सामाजिक रूप से समावेशी, क्षेत्रीय रूप से संतुलित और पर्यावरणीय रूप से अक्षुण्ण हो। मेरी सरकार द्वारा किए गए उपायों ने **समावेशी विकास का आवश्यक ढांचा** तैयार कर लिया है।

विकास प्रक्रिया को सामाजिक रूप से समावेशी और क्षेत्रीय रूप से संतुलित बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। इनमें, विकास में ग्रामीण-शहरी अंतर को पाटने के लिए-**भारत निर्माण;** गरीबी की पीड़ा को कम करने के लिए और मूलभूत आजीविका सुरक्षा प्रदान करने के लिए-**राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम;** हमारे बच्चों को समान अवसर उपलब्ध कराने एवं उनकी क्षमताओं को मूर्त रूप देने के लिए-**सर्वशिक्षा अभियान** जो **सार्वभौमिक मध्याह्न भोजन कार्यक्रम** द्वारा और सुदृढ़ किया गया है; ग्रामीण निर्धनों को मूलभूत स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए-**राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन** और सामाजिक रूप से समावेशी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए **जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन** शामिल हैं। विकास प्रक्रिया को और अधिक भागीदारीयुक्त संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के लिए सरकार **पंचायती राज** संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने का प्रयास कर रही है और **सूचना का अधिकार अधिनियम** नामक एक अनुस्मरणीय कानून बनाया गया है।

मेरी सरकार की ''समावेशी विकास'' की कार्यनीति आर्थिक विकास में आई तेजी से समर्थ हुई है और इसने आर्थिक विकास को त्वरित करने में योगदान भी किया है। इतिहास में पहली बार, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार चार वर्षों से लगभग 9.0 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से विकास हुआ है। सकल घरेलू उत्पाद के 35% से अधिक की ऐतिहासिक उच्च निवेश दर और सकल घरेलू उत्पाद के 34% से अधिक की बचत दर हमारी अर्थव्यवस्था में एक नई गतिशीलता का प्रतीक है। मुझे विश्वास है कि हमारे युवावर्ग की रचनात्मकता, उद्यमिता और कड़ी मेहनत आने वाले वर्षों में इन उच्च दरों को बनाए रखने में सक्षम होगी।

तेल की ऊंची अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और खाद्य पदार्थों सहित वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के परिप्रेक्ष्य में यह उपलब्धि और भ प्रशंसनीय है। मेरी सरकार का यह सतत प्रयास रहेगा कि कीमतं को नियंत्रण में रखते हुए विकास को बनाए रखा जाए। मे सरकार ने भारतीय उपभोक्ता को इन वैश्विक मुद्रास्फीतिक रुझान से बचाए रखने की कोशिश की है। विगत दो वर्षों में विश्व क कच्चे तेल की कीमतें लगभग दोगुनी होकर 100 अमरीकी डाल प्रति बैरल की अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गईं, तब भी मेरी सरकार ने घरेलू उपभोक्ता पर पड़े प्रभाव को सीमित रखा है।

समावेशी विकास के ढांचे को ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के जरिए और मजबूती मिली है। इस योजना में समूचे राष्ट्र के लिए सकल घरेलू उत्पाद में 9 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा

*राष्ट्रपति ने केन्द्रीय कक्ष में अंग्रेजी में अभिभाषण दिया। उपराष्ट्रपति ने अभिभाषण का हिन्दी पाठ पढ़ा।

सभापटल पर रखा गया और ग्रंथालय में भी रखा गया, **देखिए संख्या एलटी-8092/2008

गया है जिसे इस प्रकार प्राप्त किया जाना है ताकि यह गुणवत्तायुक्त शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के लिए समान अवसर प्रदान करे, अस्वस्थता के भार से लोगों को निजात दिलाए और भेदभाव मिटाए।

प्रमुख क्षेत्रों को दी जाने वाली केंद्रीय सकल बजटीय सहायता का भाग पर्याप्त मात्रा में बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा पर होने वाला परिव्यय 10वीं योजना में केंद्रीय सकल बजटीय सहायता के 7.68% से बढ़कर 11वीं योजना में 19% से अधिक हो गया है। कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास पर होने वाले परिव्यय को तिगुना कर दिया गया है। शिक्षा को शामिल करते हुए, ये क्षेत्र केंद्रीय सकल बजटीय सहायता का आधे से अधिक हिस्सा प्राप्त करते हैं जबकि दसवीं योजना में यह एक-तिहाई से भी कम था। योजना की प्राथमिकताओं में यह एक बृहत संरचनात्मक परिवर्तन है, जिसका उद्देश्य असमानताओं को कम करना और जनता को सशक्त बनाना है।

इस योजना में, अवसंरचना में कुल वार्षिक निवेश सकल घरेलू उत्पाद के 5% से बढ़कर 9% होने की आशा है। सार्वजनिक क्षेत्र का निवेश अवसंरचना विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा और इसे, जहां व्यवहार्य होगा, निजी निवेश से पूरित किया जाएगा। मेरी सरकार ऐसे समूहों और क्षेत्रों, जो हाशिए पर हैं, को विकास की प्रक्रियाओं से लाभ उठाने में समर्थ बनाने के लिए आवश्यक कौशल और संसाधनों को बढ़ाएगी।

मेरी सरकार हमारे किसानों के कल्याण की ओर विशेष ध्यान दे रही है तथा इसने कृषि में सार्वजनिक निवेश में आई गिरावट के रुख को पलट दिया है। **राष्ट्रीय साझा न्यूनतम कार्यक्रम** में कृषि ऋण को तीन वर्षों में दुगुना करने के तय लक्ष्य को काफी पीछे छोड़ा जा चुका है। 2007-08 के लिए निर्धारित 2,25,000 करोड़ रुपए का लक्ष्य पहले ही दिसम्बर, 2007 तक प्राप्त किया जा चुका है। सरकार ने ग्रामीण सहकारी ऋण संरचना का पुनरुत्थान शुरू कर दिया है। सरकार ने प्रो. आर. राधाकृष्ण की अध्यक्षता में **कृषि ऋणग्रस्तता** पर एक विशेषज्ञ समूह की नियुक्ति की थी। इसकी रिपोर्ट अब प्राप्त हो गई है तथा इसकी सिफारिशों पर सरकार सक्रियता से विचार कर रही है।

''वित्तीय तौर पर वंचित'' जनता को औपचारिक बैंक व्यवस्था के भीतर लाने के लिए बैंकों को निदेश दिए गए हैं कि वे इस प्रयोजन हेतु स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म वित्त संस्थाओं और अन्य नागरिक समाज संगठनों की सेवाओं का उपयोग करें। **स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना** के अंतर्गत 5 लाख से अधिक स्वयं-सहायता समूहों की मदद की जा रही है और स्वरोजगारियों में 52 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकार ने **सूक्ष्म वित्तीय सेक्टर (विकास और विनियमन) विधेयक** भी संसद में प्रस्तुत कर दिया है। स्वर्णजयंती शहरी रोजगार योजना, शहरी गरीबों, विशेषकर महिलाओं के दक्षता विकास और रोजगार के लिए अवसर प्रदान कर रही है।

मेरी सरकार ने हाल में कृषि क्षेत्र के लिए दो बड़ी पहलें की हैं: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना। 11वीं योजना अवधि में चावल, गेहूं और दालों का उत्पादन क्रमश: 10, 8 और 2 मिलियन टन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन शुरू किया गया है। फार्म पुनरुत्थान के लिए 25,000 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का उद्देश्य 11वीं योजना में इस क्षेत्र में और निवेश करने के लिए राज्यों को प्रोत्साहन देकर कृषि विकास को 4% तक बढ़ाना है।

मेरी सरकार के प्रयासों से कृषि उत्पादन में भरपूर वृद्धि हुई है। कृषि, सिंचाई और जल संसाधनों, जिनमें एक बड़ा बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम शामिल है, के सम्मिलित संसाधन 10वीं योजना में 46,131 करोड़ रुपए से बढ़कर 11वीं योजना में 1,38,548 करोड़ रुपए हो जाएंगे। विगत चार वर्षों में मेरी सरकार ने गेहूं और धान के **न्यूनतम समर्थन मूल्यों** में क्रमश: 50% से अधिक और लगभग 33% की अभूतपूर्व त्वरित वृद्धि की है।

मेरी सरकार का लक्ष्य 2015 तक प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र के आकार में तीन गुना वृद्धि करना और वैश्विक व्यापार में इसका हिस्सा दोगुना करना है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए 30 **मेगा फूड पार्क** और एक इंटीग्रेटिड कोल्ड चेन स्थापित की जाएगी। इस क्षेत्र के लिए ज्ञान संस्थान के रूप में कुंडली में एक **राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान** स्थापित किया जा रहा है।

मेरी सरकार ने शिक्षा में पहुंच को बढ़ाकर **अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों** के सशक्तिकरण पर अत्यधिक जोर दिया है। छात्रवृत्तियों के लिए अनुसूचित जातियों के लगभग 30 लाख बच्चों को लगभग 900 करोड़ रुपए की राशि तथा 10 लाख से अधिक जनजातीय बच्चों को 225 करोड़ रुपए से अधिक की राशि दी गई है। **राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति** और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के छात्रों की विशेष कोचिंग संबंधी स्कीमों को सक्रियता से क्रियान्वित किया जा रहा है। हमारे जनजातीय समुदायों की कला, संस्कृति, परंपरा, भाषाओं, रीति-रिवाजों और चिकित्सीय पद्धतियों में अध्ययन और अनुसंधान और जनजातीय विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश में अमरकंटक में **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय** की स्थापना की जाएगी।

अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वननिवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम एक ऐतिहासिक विधान है

जिसका उद्देश्य जनजातीय और परंपरागत वनवासियों की विगत वंचनाओं को दूर करना तथा भूमि पर उनके अधिकारों को उन्हें पुन: प्रदान करना है। राज्य सरकारों से इस अधिनियम के उपबंधों को शीघ्रता से क्रियान्वित करने का अनुरोध किया गया है।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, जो हमारे श्रमिक बल का अधिकांश भाग है, को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से मेरी सरकार ने **असंगठित सेक्टर सामाजिक सुरक्षा विधेयक, 2007** प्रस्तुत किया है। असंगठित क्षेत्र के गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले प्रत्येक श्रमिक और उसके परिवार के लिए 30,000/- रुपए की स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए-**राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना**, पहले वर्ष में ही ग्रामीण भूमिहीन मजदूरों के लगभग एक करोड़ परिवारों को राहत पहुंचने के लिए **आम आदमी बीमा योजना** और गरीबी रेखा से नीचे तथा 65 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों को 200 रुपए प्रतिमाह पेंशन देने के लिए-**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन स्कीम** प्रारंभ की गई है। सरकार ने **राष्ट्रीय निम्नतम स्तर की न्यूनतम मजदूरी** को भी 66 रुपए से बढ़ाकर 80 रुपए प्रतिदिन कर दिया है। श्रमिकों को बोनस की अदायगी की पात्रता सीमा को 3500 रुपए से बढ़ाकर 10000 रुपए प्रतिमाह कर दिया है। भवन-निर्माण ठेकेदारों द्वारा नियुक्त श्रमिकों को भी बोनस के भुगतान के लिए पात्र बनाया गया है।

मेरी सरकार ने विकास परियोजनाओं के कारण अपनी भूमि से विस्थापित लोगों की चिरकालिक समस्याओं का समाधान करने के लिए अक्तूबर, 2007 से **एक राष्ट्रीय पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन नीति** लागू की है। इस नीति में अनैच्छिक विस्थापन उत्पन्न करने वाली सभी परियोजनाओं के संबंध में मूलभूत न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रावधान है। इस नीति को सांविधिक समर्थन प्रदान करने के लिए **पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन विधेयक, 2007 और भूमि अर्जन (संशोधन) विधेयक, 2007** भी संसद में पेश किए जा चुके हैं।

समावेशी विकास के लिए समावेशी शासन की जरूरत होती है। **पंचायती राज** इसके लिए प्रमुख उपकरण है। सरकार ने सुपुर्दगी व्यवस्था को पंचायतों के माध्यम से कार्य करने के लिए दिशानिर्देशित करने के अलावा स्थानीय विकास योजना को सहारा देने के लिए बंधनमुक्त निधियों के जरिए पंचायती राज को सुदृढ़ किया है। क्षेत्रीय असंतुलनों की समस्या का समाधान करने के लिए मेरी सरकार **पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि** द्वारा अल्प विकसित क्षेत्रों की सहायता कर रही है।

मेरी सरकार कमजोर वर्गों के नागरिकों को सिविल और आपराधिक, दोनों प्रकार के मामलों में न्याय, उनकी चौखट पर ही उपलब्ध कराने के लिए **ग्राम न्यायालय** स्थापित करने हेतु एक विधान लाई है।

मेरी सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए **प्रधानमंत्री के नये पंद्रह सूत्री कार्यक्रम** का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास कार्यक्रमों का लाभ अल्पसंख्यकों को समतापूर्वक मिले। निर्दिष्ट अनुपात में विकास परियोजनाएं अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में स्थित होंगी और जहां संभव होगा, विभिन्न स्कीमों के तहत उद्देश्यों और परिव्ययों का 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों के लिए विनिर्दिष्ट होगा। अल्पसंख्यकों की आर्थिक और शैक्षिक स्थिति सुधारने के लिए **सच्चर समिति की रिपोर्ट** की सिफारिशों के आधार पर कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। 11वीं योजना में पेशेवर पाठ्यक्रमों के लिए योग्यता-सह-साधन पर आधारित छात्रवृत्ति के लिए 800 करोड़ रुपए, अल्पसंख्यक छात्रों के लिए मैट्रिक-पूर्व और मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के लिए लगभग 3300 करोड़ रुपए और 90 अल्पसंख्यक बहुल जिलों के विकास के लिए 3780 करोड़ रुपए का प्रावधान है। अल्पसंख्यक समुदायों को दिए जाने वाले प्राथमिकता क्षेत्र ऋणों के अनुपात को वर्तमान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया जाएगा। समावेशी विकास के ढांचे के लिए ये पहले महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

समाज में महिलाओं का बराबर का योगदान है। स्त्री साक्षरता द्वारा **महिलाओं का सशक्तिकरण** सामाजिक क्षेत्र में हमारे लिए एकमात्र सबसे बड़ी चुनौती है। **राष्ट्रीय साक्षरता मिशन** स्त्री साक्षरता में तेजी लाने को अपना प्रमुख लक्ष्य बनाएगा। भेदभावपूर्ण विधान को हटाकर, विद्यमान विधान को संशोधित करके और ऐसा नया विधान बनाकर जो महिलाओं को मकान और भूमि जैसी परिसंपत्तियों में समान मालिकाना अधिकार प्रदान करता हो, हम सभी क्षेत्रों में **महिलाओं के लिए पूर्ण कानूनी समानता** के और निकट आए हैं। स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 और गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम, 1971 में संशोधन करने पर विचार किया जा रहा है। बंधुआ मजदूर, बागान मजदूर, कारखाना और प्रवासी मजदूर से संबंधित कानूनों को भी लिंग संवेदी बनाया जाएगा। सदियों पुराने पूर्वाग्रहों विशेषतया समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव को समाप्त करना, समानता प्राप्त करने में सबसे बड़ी चुनौती है। मेरी सरकार दहेज, कन्या शिशुहत्या, कन्या भ्रूणहत्या और मानव तस्करी संबंधी कानूनों को कड़ाई से लागू करने और लिंगभेद रहित भारत बनाने के प्रति वचनबद्ध है।

बाल अधिकारों का उचित प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए **राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग** गठित किया गया है। सरकार बड़ी संख्या में हमारे बच्चों में कुपोषण की गंभीर समस्या से निपटने के लिए तैयार किए गए कई उपाय प्रारंभ करना चाहती है।

हमारे खिलाड़ी विभिन्न खेलों में लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। **2010 के राष्ट्रमंडल खेलों** की तैयारियां जोरों पर हैं। मेरी

सरकार ब्लाक और ग्राम स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और प्रतिभा के विकास के लिए **''पंचायत युवा खेल और क्रीड़ा अभियान''** भी शुरू करेगी।

माननीय सदस्यगण, जैसा कि मैंने पहले कहा है, मेरी सरकार के 'अग्रणी कार्यक्रम' समावेशी शासनव्यवस्था के ढांचे की पहचान हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार चाहने वालों के लिए सरकार द्वारा मुहैया कराई गई सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का दायरा अप्रैल, 2008 से 330 जिलों से बढ़ाकर देश के सभी ग्रामीण जिलों तक** करने का निर्णय लिया है।

इस अधिनियम के अंतर्गत वर्तमान वित्त वर्ष में, जनवरी, 2008 के मध्य तक 2.7 करोड़ लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया। सामाजिक लेखा परीक्षा के जरिए पारदर्शिता को कार्यक्रम कार्यान्वयन का अहम हिस्सा बना दिया गया है और यहां तक कि उपस्थिति नामावलियां भी पहली बार इंटरनेट पर उपलब्ध कराई गई हैं। यह कार्यक्रम जनता से छानबीन की अपेक्षा करता रहा है ताकि यह सुनिश्चित हो कि कार्यक्रम के लाभ उन्हीं को मिलें जिनके लिए वे उपलब्ध कराए गए हैं। हमें विश्वास है कि राज्य सरकारों, पंचायती राज संस्थाओं और नागरिक समाज के सक्रिय सहयोग से राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम अपना महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त कर लेगा।

देश के शैक्षिक रूप से पिछड़े 3479 ब्लाकों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन कार्यक्रम को उच्च प्राथमिक स्तर तक बढ़ाकर प्रारंभिक शिक्षा हेतु **सर्वशिक्षा अभियान** को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। मेरी सरकार उत्कृष्टता के अनुकरणीय मानदण्ड स्थापित करने के लिए देश के प्रत्येक ब्लाक में एक स्कूल के हिसाब से 6000 नए उच्च गुणवत्ता वाले माडल स्कूल उपलब्ध कराकर माध्यमिक शिक्षा को सभी की पहुंच में लाना चाहती है। 11वीं योजना में 30 नए केन्द्रीय विश्वविद्यालय, शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में 370 नए महाविद्यालय और 8 नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, 20 नए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, 7 नए भारतीय प्रबंधन संस्थान और पुणे, कोलकाता तथा मोहाली में शुरू किए गए तीन संस्थानों के अतिरिक्त दो और भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान खोलकर तकनीकी संस्थाओं की संख्या में वृद्धि के साथ उच्चतर शिक्षा में भारी निवेश किया जाएगा। **राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन** हमारे युवाओं की नियोजनीयता को सुनिश्चित करेगा और हमारी अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों में इस समय महसूस की जा रही कौशल की कमी को दूर करेगा।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य अवसंरचना और सेवाओं का विस्तार कर रहा है। इस मिशन के अंतर्गत अब तक 1.38 लाख उप केन्द्रों, 22,669 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, 3,947 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 540 जिला अस्पतालों को संसाधन देकर उनकी मदद की गई है। अब हमारे गांवों में लगभग 5 लाख आशा (अधिकृत सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) और संपर्क स्वास्थ्य कार्यकर्ता कार्यरत हैं। निर्मल ग्राम पुरस्कार के प्रोत्साहन से जनता की बढ़ी हुई भागीदारी द्वारा ग्रामीण स्वच्छता का दायरा वर्ष 2001 में 22% ग्रामीण परिवारों से काफी बढ़कर आज लगभग 50% हो गया है।

भारत निर्माण ने सड़कों, बिजली और टेलीफोन संपर्क द्वारा ग्रामीण भारत को विकास के अवसरों से जोड़ने की कोशिश की है। वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के अंत तक 17,000 बस्तियों को बारहमासी सड़कों से जोड़ा गया है, 44,000 से अधिक गांवों में बिजली पहुंचायी गई है, ग्रामीण निर्धनों के लिए 40 लाख मकान बनाए गए हैं, 2 लाख बस्तियों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की गई है और 36 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि की सिंचाई व्यवस्था की गई है। इस अवधि के दौरान सभी गांवों को टेलीफोन से जोड़ने का लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया गया है। दिसम्बर, 2007 की स्थिति के अनुसार केवल 14,000 गांवों को जोड़ना बाकी रह गया है। गांवों में टेलिफोनों की उपलब्धता में आश्चर्यजनक सुधार हुआ है।

जवाहरलाल नेहरू शहरी नवीकरण मिशन का इसमें शामिल राज्यों और शहरों द्वारा बड़े पैमाने पर स्वागत किया गया है। 26 राज्यों के 51 शहरों में 25,287 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। इसके मूलभूत सेवाओं वाले घटक के अंतर्गत शहरी गरीबों के लिए 8 लाख से अधिक मकान स्वीकृत किए गए हैं। केन्द्रीय सरकार **राष्ट्रीय आवास और पर्यावास नीति** द्वारा वहनीय आवास को बढ़ावा देगी।

हमारी **अवसंरचना** का द्रुत आधुनिकीकरण और विकास मेरी सरकार की प्राथमिकता रही है। 68,000 मेगावाट विद्युत पैदा करने की क्षमता वाले कोयला ब्लाकों के आबंटन सहित विभिन्न उपाय पहले ही कर लिए गए हैं। 4000-4000 मेगावाट की क्षमता वाले कोयला आधारित **अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्टों** (यूएमपीपी) की स्थापना के लिए नौ राज्यों में नौ स्थलों का चयन कर लिया गया है और सासन और मुंधरा परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो गया है। इन संयंत्रों में आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकी इस्तेमाल की जाएगी। भारत के प्रथम 540 एमडब्ल्यूई नाभिकीय विद्युत संयंत्र-**तारापुर परमाणु बिजली स्टेशन** की यूनिट 3 और 4 वर्ष 2007 में राष्ट्र को समर्पित की गयी जोकि हमारे स्वदेशी नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम की एक प्रमुख उपलब्धि है।

जल-विद्युत, अन्य नवीकरणीय ऊर्जा और नाभिकीय ऊर्जा सहित ऊर्जा के सभी स्रोतों के विकास के लिए निवेश को बढ़ावा

देने हेतु आवश्यक नीतिगत पहल की जा रही है। **जैव-ईंधनों** और नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी राष्ट्रीय नीतियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। **विद्युत क्षेत्र संबंधी मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन** में ऐसी विभिन्न पहलों का समर्थन किया गया जिनका उद्देश्य क्षमता में वृद्धि, किफायती कीमत-निर्धारण और विद्युत क्षेत्र में सुधार करना है।

मेरी सरकार ने घरेलू तेल और गैस भंडारों की तीव्र खोज के साथ-साथ विदेशों में अर्जन द्वारा ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया है। 15 ब्लाकों में प्रचुर तेल व गैस के भंडारों का पता लगाया गया है। हाल ही में कोल बैड मिथेन का प्रथम वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है और गहरे पानी में प्राकृतिक गैस का पहला उत्पादन भी इस वर्ष प्रारंभ हो जाएगा। एनईएलपी-VII के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली द्वारा अन्य 57 ब्लाकों की पेशकश की जा रही है। हमारी तेल कंपनियां विदेशों में सक्रियता से ब्लाक अर्जित कर रही हैं। **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक प्राधिकरण** ने कार्य करना शुरू कर दिया है। पेट्रोलियम क्षेत्र में प्रशिक्षित तकनीकी कार्मिकशक्ति की कमी को पूरा करने के लिए **राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान** स्थापित किया गया है।

रक्षा, रेल, विद्युत और उर्वरक क्षेत्रों की सम्पूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक नई **कोयला वितरण नीति** अधिसूचित की गई है। कोयला और लिग्नाईट पर रायल्टी में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि से उत्पादक राज्यों को लाभ मिलेगा। एक नई खनिज नीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है जो खनन में निवेश और रोजगार के अवसरों में अत्यधिक वृद्धि करेगी।

विद्यमान **राष्ट्रीय राजमार्गों** के 6,500 किलोमीटर लंबे हिस्से को छह लेन का बनाने को स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना चरण-VI के अंतर्गत 1000 किलोमीटर लंबे, पूर्णत: आवागमन नियंत्रित **एक्सप्रेसवे** बनाए जाएंगे। सरकार ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को चौड़ा करने और उनमें सुधार करने के लिए भी स्वीकृति प्रदान की है जिससे कि इस क्षेत्र के सभी 85 जिला मुख्यालयों को बेहतर तरीके से जोड़ा जा सके। चालू वर्ष में प्रमुख पत्तनों पर यातायात में 13 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। प्रमुख पत्तनों में निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए नए माडल रियायत करार तथा सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) माडल के अंतर्गत परियोजनाओं के लिए टैरिफ तय करने हेतु संशोधित दिशानिर्देशों के अनुमोदन से आगामी वर्ष के दौरान इस क्षेत्र में निवेश में वृद्धि होने की आशा है।

मेरी सरकार **भारतीय रेल** की वित्तीय और तकनीकी कार्यनिष्पादन क्षमता में बड़ा बदलाव लाई है। रेल संपर्क और अवसंरचना विकास में और सुधार करने के लिए महानगर केन्द्रों और प्रमुख पर्यटक केन्द्रों पर स्थित 22 स्टेशनों को सार्वजनिक-निजी-भागीदारी द्वारा विकसित किया जाएगा। मुंबई-दिल्ली-कोलकाता **डेडिकेटिड फ्रेट कारिडोर** रेल अवसंरचना की एक अनोखी उपलब्धि होगी जो व्यापक औद्योगिकीकरण करने में भी मदद करेगी।

यात्री और माल, दोनों प्रकार के यातायात में तीव्रतम वृद्धि के कारण **नागर विमानन** क्षेत्र एक अभूतपूर्व विकास के दौर से गुजर रहा है। सरकार ने हवाईअड्डा अवसंरचना का उन्नयन और आधुनिकीकरण करने तथा इस क्षेत्र में दक्ष कार्मिकों की उपलब्धता में वृद्धि करने को प्राथमिकता दी है। इस वर्ष बंगलौर और हैदराबाद में नए अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डों का उद्घाटन किया जाएगा। नई दिल्ली और अन्य महानगरों में नए टर्मिनलों का निर्माण कार्य चल रहा है। उत्तर-पूर्व सहित देश के विभिन्न भागों में हवाई मार्ग संपर्क बढ़ा है।

भारतीय **दूरसंचार** क्षेत्र विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्र के रूप में उभरा है जिसमें प्रतिमाह 7 मिलियन से अधिक ग्राहक जुड़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार अवसंरचना की स्थापना करने और उसके प्रबंधन में सहायता देने के लिए एक स्कीम शुरू की गई है जिससे कि मोबाइल दूरसंचार सेवाओं का किफायत और शीघ्रता से विस्तार किया जा सके।

मेरी सरकार ने इलैक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी हार्डवेयर विनिर्माण में वृद्धि की प्रमुख क्षेत्र के रूप में पहचान की है। सेमी कन्डक्टर फैब्रिकेशन और अन्य माइक्रो तथा नैनो टैक्नालोजी विनिर्माण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष स्कीम की घोषणा की गई है। सरकार को पारदर्शी और नागरिकों के अनुकूल बनाने के लिए **राष्ट्रीय ई-शासन योजना** पूरे देश में क्रियान्वयन की उन्नत स्थिति में है। पूरे देश में लगभग 13,000 जिला और अधोनस्थ न्यायालयों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग शुरू कर दिया गया है। देश में उच्च शिक्षा और अनुसंधान की सभी संस्थाओं को जोड़ने के लिए गिगाबाइट ब्राडबैंड कनेक्टिविटी मुहैया कराने हेतु एक **एकीकृत राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क** स्थापित किया जाएगा।

हमारे देश में **औद्योगिक विकास** के वातावरण में लगातार सुधार हो रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारतीय उद्योग, और अधिक रोजगार पैदा कर सकें और विश्व में और अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें, सरकार ने **राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता परिषद** को उपयुक्त नीतियां सुझाने को कहा है। भारतीय उद्योग की प्रतिस्पर्धी स्थिति, विशेषकर इस्पात और धातु-विज्ञान, वस्त्र, आटोमोबाइल और आटो संघटकों, औषधीय और जैव-प्रौद्योगिकी, पेट्रोरसायन और सीमेंट जैसे क्षेत्रों में, पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ है। भारत के माल निर्यात में 25 प्रतिशत से

अधिक की दर से अच्छी-खासी वार्षिक वृद्धि हुई है जिससे यह 2004-05 में 84 बिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2006-07 में 126.4 बिलियन अमरीकी डालर हो गया है। स्थिर नीतिगत ढांचे और व्यापार अवरोधों तथा कारोबार लागतों को कम करने के सरकार के सतत प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक अनुकूल वातावरण बना है।

मेरी सरकार ने **हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कार्य-निष्पादन** में प्रतिवर्तन लाने पर अत्यधिक बल दिया है। 25 से ज्यादा बीमार तथा घाटे में चल रही कंपनियों के लिए पुनरुद्धार पैकेज अनुमोदित कर दिए गए हैं। पिछले वर्ष केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निवल लाभ में 17 प्रतिशत से अधिक की उत्साहवर्धक वृद्धि हुई है। **सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील कंपनियों** की लाभप्रदता 2003-04 में 5373 करोड़ रुपए से उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 2006-07 में 15567 करोड़ रुपए हो गई है। इससे स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड जैसी कंपनियों में ऊर्जा का संचार हुआ है और वे बृहत विस्तार योजनाओं की ओर अग्रसर हो पाई हैं।

सरकार द्वारा प्रवर्तित **विशेष आर्थिक क्षेत्रों** ने अब तक लगभग 100,000 व्यक्तियों को सीधे रोजगार प्रदान कर दिया है जबकि इससे दोगुने व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने का अनुमान है। इनमें 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हो चुका है और इस वर्ष इनसे 67,000/- करोड़ रुपए का निर्यात होने की उम्मीद है।

मेरी सरकार हमारे **वस्त्र उद्योग** के संवर्धन के लिए वचनबद्ध है। 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वस्त्र संबंधी एक प्रौद्योगिकी मिशन कार्यान्वित किया जाएगा। चिकित्सा प्रौद्योगिकी, जिओटेक, कृषि प्रौद्योगिकी तथा निर्माण प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चार उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। **प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि स्कीम** 11वीं योजना के लिए बढ़ा दी गई है।

मेरी सरकार ने **सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों** के संवर्धन के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। यह क्षेत्र रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास तथा संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार इसे वित्तीय, अवसंरचनात्मक तथा विपणन सहायता प्रदान करती रहेगी।

11वीं योजना में **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** के क्षेत्र में वित्तीय सहायता में पर्याप्त वृद्धि करके सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास पर अत्यधिक बल दिया है। एक नैनो टैक्नोलाजी मिशन शुरू किया गया है।

भारतीय **अंतरिक्ष** कार्यक्रम का अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने का सफर जारी रहा है। 15 नवम्बर, 2007 को देश में ही विकसित जीएसएलवी के क्रायोजेनेकि अपर स्टेज का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। 2007 में हमारे अपने जिओ-सिंक्रोनस उपग्रह प्रक्षेपण यान का इस्तेमाल करते हुए इनसेट-4सीआर तथा इनसेट-4बी छोड़े गए। हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम ने हमें दूर-चिकित्सा, दूर-शिक्षा, दूर-संचार तथा अन्य सेवाओं का देश तथा विदेश, दोनों में विस्तार करने में सक्षम बनाया है। इन सफलताओं के आधार पर और आगे कार्य करने के लिए एक नए **भारतीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी संस्थान** की स्थापना की गई है। भारत का प्रथम मानवरहित चंद्र मिशन **'चंद्रयान-1'** इस वर्ष के अंत तक छोड़ा जाना है।

मेरी सरकार ने जलवायु परिवर्तन के मामले पर तत्काल कार्रवाई की और जलवायु परिवर्तन को कम करने और उसके अनुकूल बनने के लिए उपयुक्त कार्यनीतियां बनाने तथा उन्हें कार्यान्वित करने के लिए **जलवायु परिवर्तन पर प्रधानमंत्री की परिषद** गठित की। **जलवायु परिवर्तन पर एक व्यापक राष्ट्रीय कार्य योजना** तैयार की जा रही है। भारत यह सुनिश्चित करने के लिए सहर्ष तैयार है कि यहां होने वाला प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विकसित देशों के औसत प्रति व्यक्ति उत्सर्जन से कभी भी अधिक न हो। जलवायु परिवर्तन के संबंध में हुए बाली सम्मेलन में भारत ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के प्रावधानों तथा सिद्धांतों के अनुसार इस मामले से निपटने के लिए दीर्घकालिक सहयोगपूर्ण कार्रवाई हेतु एक व्यापक प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ रचनात्मक बातचीत की है। प्रमुख नदियों की सफाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए **नदी संरक्षण कार्यक्रम** को नए सिरे से शुरू किया जाएगा। नव-सृजित पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की नीतियों को दिशा देने के लिए **पृथ्वी विज्ञान संगठन परिषद** गठित की गई है। एक अत्याधुनिक सुनामी चेतावनी प्रणाली स्थापित कर दी गई है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर लाल किले को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि गत वर्ष पवित्र **'ऋग्वेद'** को ''विश्व स्मृति'' रजिस्टर में दर्ज किया गया।

सरकार ने जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व में आकाशवाणी तथा दूरदर्शन सेवाओं को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया है। **दूरदर्शन के उर्दू चैनल** ने सातों दिन चौबीसों घंटे सेवाएं प्रारंभ कर दी हैं। फ्रीक्वेंसी माड्यूलेटिड रेडियो चैनलों का व्यापक विस्तार हुआ है। ऐसे 152 चैनल पहले से ही चल रहे हैं और अनुमान है कि जल्द ही इनकी संख्या बढ़ कर 266 हो जाएगी। समुदाय रेडियो का एक नई नीति के जरिए बड़े स्तर पर संवर्धन किया गया है। प्रिंट, दूरदर्शन, रेडियो, फिल्म तथा मनोरंजन जैसे क्षेत्रों सहित भारतीय

मनोरंजन तथा मीडिया उद्योग में भारी वृद्धि हो रही है जिससे बहुत बड़ी संख्या में रोजगार पैदा हो रहा है।

पर्यटन में, देश भर में आय तथा रोजगार, दोनों के सृजन की काफी क्षमता है। "**अतुल्य भारत**" अभियान से भारत में पर्यटन को बढ़ावा मिला है और पहली बार विदेशी पर्यटकों की संख्या 50 लाख को छू गई है। 2007 में पर्यटन से होने वाली विदेशी मुद्रा आय 12 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच गई है।

आंतरिक सुरक्षा स्थित कुल मिलाकर नियंत्रण में है। मेरी सरकार आतंकवाद तथा वाम-पक्षीय उग्रवाद के खतरों के प्रति सजग है। जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश तथा असम में हुए आतंकवाद के अमानवीय कृत्यों की भर्त्सना करने में पूरा राष्ट्र एकजुट होकर खड़ा था। सरकार वाम-पक्षीय उग्रवाद को समाप्त कर देने के प्रयासों के प्रति कृतसंकल्प है। **आंतरिक सुरक्षा पर हुए मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन** ने उग्रवाद तथा आतंकवाद के खतरे से लड़ने के लिए केंद्र तथा राज्यों द्वारा मिलकर काम करने की महत्ता को रेखांकित किया है। सरकार वाम-पक्षीय उग्रवाद से प्रभावित राज्यों को आंतरिक सुरक्षा तथा विकास और सामाजिक रूप से शक्ति संपन्न बनाने के दोनों मोर्चों पर मदद कर रही है। पुलिस तथा सुरक्षा बलों और आसूचना संग्रहण प्रणालियों के आधुनिकीकरण पर सरकार अधिक ध्यान दे रही है।

धार्मिक स्थलों के निकट रहने वाले लोगों सहित अन्य निर्दोष व्यक्तियों के प्रति होने वाले उग्र हिंसात्मक कृत्यों के समक्ष भारत की जनता घृणा की राजनीति को नकारने में एकजुट रही है। हमारी जनता का उत्तेजित न होना एक बार फिर हमारे सहज मानववाद तथा हमारे राष्ट्र की एकता व अखंडता, बहुलवाद तथा पंथ-निरपेक्षता के हमारे संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी वचनबद्धता को दर्शाता है। मुख्यत: इसी कारण देश भर में सांप्रदायिक सद्भावना तथा सौहार्द का वातावरण है। मेरी सरकार ऐसी किसी भी समूह के असामाजिक तथा राष्ट्र-विरोधी षड्यंत्रों के प्रति सदा सतर्क रहेगी जो हमारे गणराज्य की कानून और व्यवस्था, सांप्रदायिक सद्भावना तथा एकता और अखंडता को विघटित करने के इरादे से होंगे।

मेरी सरकार राज्य सरकार के साथ मिलकर **जम्मू और कश्मीर** में शांति, सामान्य स्थित तथा विकास सुनिश्चित करने के लिए बहु-आयामी रणनीति पर कार्य कर रही है। विद्युत तथा रोजगार सृजन सहित संपर्क तथा अवसंरचना के सुधार पर ध्यान केन्द्रित करते हुए **प्रधानमंत्री पुनर्निर्माण योजना** तेजी से क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना के एक भाग के रूप में राज्य में **कश्मीरी प्रवासियों के लिए आवास परियोजना** चलाई जा रही है।

आप जानते हैं कि मेरी सरकार ने **जम्मू और कश्मीर** में सभी वर्गों के लोगों के साथ **गोलमेज सम्मेलनों** का सिलसिला शुरू किया था। इन विचार-विमर्शों से राजनीतिक और विकासात्मक मसलों पर व्यापक नागरिक और राजनीतिक सर्वसम्मति प्रतिबिंबित होती है। सरकार समाज के सभी वर्गों का विश्वास बढ़ाने, नियंत्रण रेखा के आर-पार यात्रा को आसान बनाने तथा जम्मू और कश्मीर की जनता को बेहतर शासन तथा उनकी आकांक्षाओं पर निकटता से ध्यान देने के उद्देश्य से एक सर्वांगीण दृष्टिकोण पर कार्य कर रही है।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र में संपर्क में सुधार लाना, अवसंरचना का विस्तार करना तथा रोजगार सृजित करना मेरी सरकार की पहलों का केन्द्र बिंदु रहा है। उत्तर-पूर्वी परिषद, उत्तर पूर्वी क्षेत्र में 18 हवाईअड्डों के उन्नयन के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ सहयोग कर रही है। असम तथा अरुणाचल प्रदेश में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे बनाए जाएंगे। उत्तर पूर्वी परिषद ने इस क्षेत्र के लिए एक समर्पित एयरलाइन स्थापित करने की पहल की है। 43,000 करोड़ रुपए के वित्तपोषण से **उत्तर पूर्व में विशेष त्वरित सड़क विकास कार्यक्रम (एसएआरडीपी-एनई)** इस क्षेत्र में सड़कों के निर्माण, सुधार और उन्हें चौड़ा करने के लिए तैयार किया है। **ट्रांस-अरुणाचल प्रदेश हाईवे** राज्य की लंबाई में एक सिरे से दूसरे सिरे तक बनाया जाएगा। क्षेत्र में विद्युत की उपलब्धता में सुधार लाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की जा रही है। संचार तंत्र में सुधार करने के लिए ब्राडबैंड तथा बेतार संपर्क में और वृद्धि की जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में की गई नई पहलों में नए विश्वविद्यालयों तथा राष्ट्रीय महत्व की अन्य संस्थाओं की स्थापना शामिल है। **उत्तर-पूर्व औद्योगिक और निवेश संवर्धन नीति** द्वारा औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। असम गैस क्रैकर परियोजना पर कार्य प्रारंभ हो चुका है जिससे क्षेत्र के औद्योगिक विकास में और वृद्धि होगी।

सरकार विश्व के विभिन्न भागों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की उपलब्धियों तथा राष्ट्र के लिए उनके योगदान को अत्यंत महत्व देती है। उनके योगदान का सम्मान करते हुए कई पहलें की गई हैं। पहला **भारतीय मूल के लोगों का विश्वविद्यालय** प्रारंभ होने वाला है। भारतीय डायस्पोरा के संसाधनों को काम में लाने के लिए **प्रधानमंत्री की भारतीय मूल के लोगों की वैश्विक सलाहकार परिषद** गठित करने का निर्णय लिया गया है। संभावित प्रवासी कामगारों को मदद देने तथा विपत्ति में फंसे प्रवासी कामगारों की सहायता करने के लिए, "**प्रवासी कामगार संसाधन केंद्र**" तथा "**प्रवासी रोजगार संवर्धन परिषद**" की स्थापना की जा रही है।

मेरी सरकार ने हमारे **सशस्त्र बलों** के आधुनिकीकरण तथा कल्याण को बढ़ावा देने के लिए तथा देश में रक्षा तैयारी सुनिश्चित

करने के लिए कई कदम उठाए हैं। हमारे सशस्त्र बल हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं, विद्रोही गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों में शांति तथा सुरक्षा बनाए रखने में मदद करते हैं तथा आपदा प्रबंधन और आवश्यक सहायता तथा पुनर्वास का प्रबंध करने में सिविल प्राधिकारियों की बहुमूल्य सहायता करते हैं। **सशस्त्र बल अधिकरण अधिनियम, 2007** से सेवा कार्मिकों को कोर्ट मार्शल के निर्णयों की न्यायिक समीक्षा तथा सेवा मामलों से संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु सार्थक अवसर मिलेगा। **अग्नि-III मिसाइल** का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण तथा **ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली** को हमारे सशस्त्र बलों में शामिल करना हमारी रक्षा प्रौद्योगिकी के उन्नयन में मील के पत्थर सिद्ध हुए हैं।

मेरी सरकार की **विदेश नीति** त्वरित सामाजिक-आर्थिक विकास को सुगम बनाने तथा हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने के लिए हमारे क्षेत्र तथा विश्व में शांति तथा स्थिरता के वातावरण को बढ़ावा देना चाहती है। सरकार ने हमारे सभी पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण तथा सहयोगात्मक रिश्ते विकसित करने तथा महाशक्तियों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने के कारगर प्रयास किए हैं। भारत ने अप्रैल, 2007 में नई दिल्ली में हुए 14वें सार्क शिखर सम्मेलन से लेकर अब तक सार्क को सुदृढ़ करने के सभी प्रयास किए हैं और इसे घोषणात्मक चरण से कार्यान्वयन चरण की ओर बढ़ाया है। सार्क विकास निधि, दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय तथा सार्क फूड बैंक की स्थापना के क्षेत्र में प्रगति हुई है।

हमारा ध्येय है कि हमारे पड़ोस में शान्ति, स्थायित्व और समृद्धि बनी रहे। भारत, नेपाल को इसके राजनीतिक परिवर्तन के दौर में, इसके विकास के लिए इसकी पूरी सहायता करने के लिए वचनबद्ध है। भारत, एक लोकतांत्रिक, स्थिर और संपन्न राष्ट्र के लिए, परिवर्तन काल में नेपाली लोगों की अभिलाषाओं को पूरा करने में मदद देने के लिए भी तैयार है। एक निकट और मित्र पड़ोसी के नाते हम बंगलादेश को एक शान्तिपूर्ण, स्थिर और उदार लोकतंत्र के रूप में देखना चाहेंगे। हम आशा करते हैं कि बंगलादेश की जनता पूर्ण लोकतंत्र की बहाली के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की मार्फत अपनी इच्छा को व्यक्त करेगी। श्रीलंका में हिंसा की घटनाओं में दुर्भाग्यपूर्ण वृद्धि हुई है। हमारा स्पष्ट विचार है कि नस्ली विवादों का समाधान सैन्य बल नहीं कर सकता। यह जरूरी है कि एक संगठित श्रीलंका की संरचना के भीतर बातचीत करके एक ऐसा राजनीतिक हल खोजा जाए जो समाज के हर वर्ग को स्वीकार्य हो। हम अफगानिस्तान की, इसके पुनर्निर्माण में और एक बहुलवादी और समृद्ध समाज के निर्माण में जो भी मदद कर सकते हैं, करते रहेंगे। हम पाकिस्तान के साथ शान्तिपूर्ण, मैत्रीपूर्ण और एक अच्छे पड़ोसी के संबंधों के लिए वचनबद्ध हैं। एक स्थिर, संपन्न और आंतरिक शांति संपन्न पाकिस्तान में हमारे पूरे क्षेत्र की भलाई है। जब परिस्थितियां अनुकूल होंगी, हम आपसी विश्वास पैदा करने और लंबित विवादों को आतंक और हिंसा से मुक्त वातावरण में हल करने के लिए पाकिस्तान के साथ वार्ता-प्रक्रिया पुनः आरंभ करेंगे। हम आशा करते हैं कि म्यांमार में चल रही राष्ट्रीय मेल-मिलाप और राजनीतिक सुधार प्रक्रिया और इस प्रक्रिया को गति प्रदान करने की आवश्यकता की पहचान, इसे और समावेशी बनाएगी ताकि वहां शान्तिपूर्ण और स्थिर लोकतंत्रीकरण सुनिश्चित हो सके।

भारत, चीन लोकतांत्रिक गणराज्य, जिसके साथ हमारी शान्ति और समृद्धि के लिए कार्यनीतिक और सहकारी साझेदारी है, के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को उच्च महत्व देता है। गत माह प्रधानमंत्री की चीन यात्रा के दौरान **21वीं सदी के लिए** साझी दृष्टि पर हस्ताक्षर होने से यह साझेदारी और व्यापक बनी है और इसे वैश्विक विस्तार मिला है। चीन के साथ हमारी सीमा पर शान्ति और अमन-चैन बना हुआ है और दोनों देश इसे बनाए रखने के लिए कटिबद्ध हैं।

मेरी सरकार ने विश्व की बड़ी ताकतों के साथ हमारे संबंधों में तेजी से सुधार किए हैं। विगत कुछ वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हमारे संबंधों में सुधार हुआ है और अब ये उच्च प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कृषि, शिक्षा और व्यापार तथा अन्य संपर्कों सहित अनेक क्षेत्रों में बढ़ रहे हैं। हम आशा करते हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य मित्र देशों के साथ असैन्य नाभिकीय सहयोग संभव होगा। सरकार रूस के साथ समय की कसौटी पर खरी उतरी मित्रता को और आगे विकसित करने पर काम कर रही है। नवम्बर, 2007 में प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा से रूस के साथ हमारी सामरिक साझेदारी और सुदृढ़ हुई है। हम यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के साथ अलग-अलग और सामूहिक रूप से अपने संबंधों को महत्व देते हैं। 8वां भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन नवम्बर, 2007 में नई दिल्ली में हुआ था। अभी हाल ही में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भारत का दौरा किया और फ्रांस के राष्ट्रपति हमारे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि थे।

सरकार ने नवम्बर, 2007 में सिंगापुर में आसियान-भारत और पूर्व एशिया शिखर सम्मेलनों में भाग लेकर अपनी **'लुक ईस्ट पालिसी'** के कार्यान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत जापान के साथ अपनी साझेदारी को सुदृढ़ बनाने के लिए निरन्तर काम कर रहा है। अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के बढ़ते रिश्तों को अक्तूबर, 2007 में प्रधानमंत्री की नाइजीरिया यात्रा और 2007 में ब्राजील और मैक्सिको के राष्ट्रपतियों की भारत यात्राओं से और बल मिला है। अक्तूबर, 2007 में प्रिटोरिया में हुए दूसरे आईबीएसए शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने भारतीय शिष्टमण्डल का नेतृत्व किया। भारत इस वर्ष अप्रैल में पहले भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

हमने खाड़ी क्षेत्र, जो कि 45 लाख से अधिक भारतीयों का घर है और एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझीदार है और हमारे तेल और गैस आयात का एक प्रमुख स्रोत है, के देशों के साथ अपने आपसी तालमेल का काफी विस्तार किया है। पश्चिमी एशिया के देशों के भारत के साथ सदियों पुराने सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं और वे हमारे बढ़े हुए पड़ोस का हिस्सा हैं। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में होने वाली हलचलों से हमारे हितों और सुरक्षा पर सीधा असर पड़ता है। भारत इस क्षेत्र में शान्ति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए इन देशों के साथ सहयोग करना चाहता है। सरकार इराक में हो रही घटनाओं पर नजर रखे हुए है और आशा करती है कि इराक में शीघ्र ही शान्ति और स्थिरता बहाल होगी। सरकार ने नए सिरे से शुरू हुई इजराली-फिलिस्तीनी वार्ता का भी समर्थन किया है और यह अपने पड़ोसियों के साथ शान्तिपूर्ण तरीके से रहते हुए एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राष्ट्र बनने से संबंधित मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान की आशा करती है। यह दुख की बात है कि गाजा और वैस्ट बैंक में हुई हाल की घटनाओं ने फिलिस्तीन की जनता को दयनीय कष्ट तथा तंगहाली में डाल दिया है। भारत फिलिस्तीनी जनता को अतिरिक्त सहायता देगा और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में मदद के लिए तैयार है।

भारत अपने दूरवर्ती पड़ोस के केंद्रीय एशियाई देशों के साथ भी सहयोग का दायरा बढ़ाने के लिए संबंध विकसित कर रहा है। एक पर्यवेक्षक राष्ट्र के रूप में भारत ने क्रमशः अगस्त और नवम्बर, 2007 में हुई शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार-प्रमुखों की बैठकों में भाग लिया। भारत-रूस-चीन के विदेश मंत्रियों की त्रिपक्षीय वार्ता भी काफी फलदायी हो रही है।

जैसा कि स्वर्गीय प्रधानमंत्री **श्री राजीव गांधी** द्वारा प्रस्तुत **कार्य योजना** में व्यक्त किया गया है, भारत सार्वभौमिक, गैर-विभेदकारी और व्यापक **नाभिकीय निरस्त्रीकरण** के लिए अभी भी वचनबद्ध है तथा हमने सामान्य और पूर्ण निरस्त्रीकरण, विशेष रूप से नाभिकीय निरस्त्रीकरण के लिए नए सिरे से आवाज उठाई है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में प्रतिवर्ष महात्मा गांधी की जयन्ती को **अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस** के रूप में मनाने का एक प्रस्ताव पेश किया था जिसे आम सहमति से स्वीकार कर लिया गया था। पहला अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस संयुक्त राष्ट्र संघ में 2 अक्तूबर, 2007 को मनाया गया।

सरकार ने व्यापार वार्ताओं के **विश्व व्यापार संगठन के दोहा विकास दौर** में एक रचनात्मक भूमिका निभायी है और हमारे विकास के लिए बेहतर विदेशी आर्थिक वातावरण बनाने के लिए महत्वपूर्ण व्यापारिक साझीदारों और क्षेत्रीय समूहों के साथ व्यापार और आर्थिक साझीदारी के करार करने के लिए वार्ताओं को आगे बढ़ाया है। **भारत-आसियान मुक्त व्यापार करार** पर वार्ताओं को शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। भारत ने आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, सतत विकास और संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार जैसी प्रमुख वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ काम किया।

माननीय सदस्यगण, भारत प्रगति कर रहा है। हमारे युवाओं में कुछ कर गुजरने की ललक है और समाज के कमजोर वर्गों की कुछ आकांक्षाएं हैं। हमारे सामने बाह्य और घरेलू खतरों के बावजूद विकास प्रक्रिया को बनाए रखने की चुनौती है। भारत के लोगों में सार्वभौमिक विकास को ऊर्जा प्रदान करने की क्षमता है। मेरी सरकार विवेकपूर्ण और ठोस आर्थिक प्रबंधन के द्वारा ऐतिहासिक रूप से उच्च वृद्धि दरों को लगातार बनाए हुए है। इससे विकास प्रक्रिया में स्थिरता और नीति में पूर्वसूचनीयता और पारदर्शिता आयी है। यह निवेश दर में वृद्धि और केन्द्र तथा राज्य सरकारों, दोनों के कर राजस्व में आए उछाल से परिलक्षित होती है। आपका नेतृत्व हमारे लोगों की पूर्ण क्षमता को उजागर कर सकता है और हमारी विकास प्रक्रिया में स्थिरता और स्थायित्व सुनिश्चित कर सकता है। इसलिए मुझे पूरी आशा है कि इस वर्ष संसद की कार्यवाही उद्देश्यपूर्ण, शांतिपूर्ण और फलदायी होगी।

आज विश्व इस महान लोकतंत्र को, पहले से भी अधिक आशाओं और आकांक्षाओं से भरी नजरों से देख रहा है। एक स्वतंत्र समाज और एक खुली अर्थव्यवस्था के ढांचे के अंतर्गत लाखों लोगों को गरीबी, अनभिज्ञता और बीमारी से मुक्ति दिलाने की हमारी क्षमता सदैव सार्वभौमिक महत्व की रही है। ऐसे समय में, जब लोकतांत्रिक जीवन असहिष्णुतावादी ताकतों के नए दबाव का सामना कर रहा है, बहुलवादी, पंथनिरपेक्ष और समावेशी लोकतंत्र के रूप में भारत की सफलता उन लाखों लोगों को आशा की नई किरण दिखाती है जो देशोन्माद, उग्रवाद के बढ़ने और पृथकता तथा घृणा की विचारधाराओं से चिंतित है।

माननीय सदस्यगण, आप में से प्रत्येक को यह याद रखना है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों के रूप में, आप जो करते हैं, वह न केवल आपके अपने मतदाताओं, बल्कि हमारे सभी लोगों, और हमारे क्षेत्र तथा विश्व के कोने-कोने में शांति और स्वतंत्रता चाहने वाले लोगों में नई आशाएं जगाता है। इसलिए, लोकतंत्र के इस प्रतिष्ठित सदन के भीतर जो आप कहते हैं और करते हैं, उसका प्रभाव न केवल हमारे लोगों की नियति पर, बल्कि लोकतंत्र और पूरे विश्व में स्वतंत्र समाज के भविष्य पर भी पड़ेगा। इन्हीं विचारों के साथ आप सबको एक बार पुनः हार्दिक शुभकामनाएं। जयहिन्द!

अपराह्न 12.28 बजे

निधन संबंधी उल्लेख

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय: माननीय सदस्यो, मुझे सभा को, हमारे एक वर्तमान सदस्य श्री प्रकाश परांजपे तथा छह पूर्व सहयोगियों श्री अलखा राम, श्री त्रिलोक चन्द, डा. प्रताप चन्द्र चन्दर, श्री पी. गंगा रेड्डी, श्री मोहम्मद महफूज अली खान और श्री मनफल सिंह चौधरी, प्रसिद्ध समाज सुधारक श्री मुरलीधर देवीदास आमटे, जिन्हें बाबा आमटे के नाम से जाना जाता है, तथा सुविख्यात पर्वतारोही सर एडमंड हिलेरी के दुखद निधन की सूचना देनी है।

श्री प्रकाश परांजपे महाराष्ट्र के ठाणे संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान लोक सभा के सदस्य थे। इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए वे वर्ष 1996 से 2004 तक ग्यारहवीं, बारहवीं और तेरहवीं लोक सभा के सदस्य रहे।

श्री परांजपे उद्योग संबंधी समिति तथा आवास समिति के सदस्य थे। इससे पूर्व वह वाणिज्य संबंधी समिति, सभापटल पर रखे गए पत्रों संबंधी समिति तथा ग्यारहवीं लोक सभा के दौरान भूतल परिवहन मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे। बारहवीं लोक सभा के दौरान वह नियम समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी समिति, पर्यावरण और वन संबंधी समिति और गंगा कार्य योजना पर इसकी उपसमिति तथा पर्यावरण और वन मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे। तेरहवीं लोक सभा के दौरान वह वित्त संबंधी समिति, लोक लेखा समिति तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे। संस्थाओं के बजट बनाने में उनकी विशेष रुचि थी।

एक सक्रिय राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता, श्री परांजपे वर्ष 1974 से 1980 तथा वर्ष 1986 से 1996 तक क्रमश: निगम पार्षद तथा ठाणे नगर निगम के पार्षद रहे। वह वर्ष 1990 के दौरान नगर निगम के नेता तथा वर्ष 1992 के दौरान नेता प्रतिपक्ष रहे।

श्री परांजपे, मराठी रंगमंच से जुड़े थे और उन्होंने विभिन्न मराठी नाटकों में अभिनय किया। उन्होंने संगीत महोत्सव का आयोजन किया तथा वे अनेक सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े थे।

खेलप्रेमी श्री परांजपे जिला बैडमिंटन एसोसिएशन, ठाणे के अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र बैडमिंटन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष थे।

श्री प्रकाश परांजपे का निधन लम्बी बीमारी के पश्चात् 61 वर्ष की आयु में 20 फरवरी, 2008 को ठाणे में हुआ।

श्री अलखा राम 1984 से 1989 तक आठवीं लोक सभा के सदस्य थे और उन्होंने राजस्थान के सलुम्बर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

इससे पूर्व श्री अलखा राम 1972 से 1977 तक और पुन: 1980 से 1984 तक राजस्थान विधान सभा के सदस्य रहे।

आठवीं लोक सभा के दौरान 1987 से 1989 तक वह याचिका समिति के सदस्य रहे।

पेशे से कृषक श्री अलखा राम ने समाज के गरीब और सीमांत वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया और सहकारिता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने 1965 में पंचायत समिति कोटरा सोसायटी के सरपंच के रूप में भी कार्य किया और बाद में वे इसके सचिव भी रहे।

श्री अलखा राम का निधन 67 वर्ष की आयु में 5 दिसम्बर, 2007 को उदयपुर में हुआ।

श्री त्रिलोक चन्द 1980 से 1984 तक सातवीं लोक सभा के सदस्य रहे और उन्होंने उत्तर प्रदेश के खुर्जा संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

इसके पूर्व श्री त्रिलोक चंद 1969 से 1974, 1977 से 1980 और 1985 से 1989 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। श्री त्रिलोक चन्द ने उत्तर प्रदेश सरकार में 1970 से 1971 तक सूचना मंत्री और 1979 से 1980 तक लोक निर्माण कार्य मंत्री के रूप में कार्य किया। श्री त्रिलोक चन्द 1985 से 1989 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के उपाध्यक्ष भी रहे।

श्री त्रिलोक चन्द सातवीं लोक सभा के दौरान आवास समिति और नियम समिति के सदस्य रहे।

एक प्रतिबद्ध सामाजिक और राजनैतिक कार्यकर्त्ता के रूप में श्री त्रिलोक चन्द ने गरीबों, दलित लोगों और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण हेतु अथक प्रयास किये।

श्री त्रिलोक चन्द का निधन लम्बी बीमारी के बाद 72 वर्ष की आयु में 27 दिसम्बर, 2007 को नई दिल्ली में हुआ।

डा. प्रताप चन्द्र चन्दर वर्ष 1977 से 1979 तक छठी लोक सभा के सदस्य रहे तथा उन्होंने पश्चिम बंगाल के कोलकाता उत्तर पूर्व संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

इससे पूर्व, डा. चन्दर वर्ष 1962 से 1967 तक तथा वर्ष 1967 से 1968 तक पश्चिम बंगाल विधान सभा के सदस्य रहे। वह वर्ष 1968 के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार के वित्त, विधि और विधायी विभागों के मंत्री रहे। छठी लोक सभा के दौरान उन्होंने वर्ष 1977 से 1979 तक केन्द्र सरकार के शिक्षा, सामाजिक कल्याण और संस्कृति मंत्री के रूप में कार्य किया।

पेशे से वकील, डा. चन्दर एक प्रख्यात शिक्षाविद थे। उन्होंने कोलकाता, बर्दवान और जादवपुर विश्वविद्यालयों में व्याख्याता के रूप में कार्य किया। वह वर्ष 1961 से 1967 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय की सीनेट के सदस्य थे तथा वर्ष 1962 से 1968 तक रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य भी रहे।

उन्होंने अनेक देशों की यात्राएं की तथा उन्हें न्यू ओर्लियन्स की मानद नागरिकता से विभूषित किया गया।

डा. चन्दर एक विद्वान व्यक्ति थे तथा उन्होंने अंग्रेजी तथा बंगाली में अनेक उपन्यास, निबन्ध और लघु कथाएं लिखीं।

उनके निधन से देश ने एक प्रख्यात शिक्षाविद् और सुयोग्य प्रशासक खो दिया है।

डा. प्रताप चन्द्र चन्दर का निधन 89 वर्ष की आयु में 1 जनवरी, 2008 को कोलकाता में हुआ।

श्री पी. गंगा रेड्डी 1967 से 1977 तक चौथी और पांचवीं लोक सभा के सदस्य रहे तथा उन्होंने आंध्र प्रदेश के अदीलाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

श्री रेड्डी 1978 से 1983 तक आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य भी रहे। इस अवधि के दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार में कृषि तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्य किया।

पांचवीं लोक सभा के दौरान, श्री रेड्डी 1973 से 1975 तक प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे। वह भारतीय औषधि एवं होम्योपैथी विधेयक संबंधी संयुक्त प्रवर समिति तथा सिंचाई, विद्युत और स्वास्थ्य मंत्रालयों की सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे।

श्री रेड्डी एक समर्पित सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्त्ता थे। वह 1964 में पंचायत समिति, निर्मल के अध्यक्ष थे और 1964 से 1967 तक जिला परिषद, अदीलाबाद के अध्यक्ष रहे।

उन्होंने गरीबों, पद-दलितों तथा समाज के वंचित वर्गों के कल्याण तथा ग्रामीण समाज के लोगों की दशा में सुधार के लिए कार्य किया।

श्री पी. गंगा रेड्डी का निधन 75 वर्ष की आयु में 3 जनवरी, 2008 को हैदराबाद में हुआ।

श्री मोहम्मद महफूज अली खान 1984 से 1989 तक आठवीं लोक सभा के सदस्य रहे तथा उन्होंने उत्तर प्रदेश के एटा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

श्री खान 1986 से 1987 तक सभा-पटल पर रखे गए पत्रों संबंधी समिति के सदस्य रहे। श्री खान 1994 से 2000 तक उत्तर प्रदेश विधान परिषद के भी सदस्य रहे।

पेशे से कृषक, श्री खान ने अपने निर्वाचन-क्षेत्र के विकास संबंधी क्रियाकलापों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। 1964 से 1971 तक नगर क्षेत्र समिति, अलीगंज के चेयरमैन तथा 1971 से 1977 तक नगर पालिका, अलीगंज के प्रेजीडेंट रहे।

श्री खान ने सहकारी आंदोलन में विशेष रुचि दिखाई तथा किसान सहकारी चीनी मिल, कईमगंज, फर्रुखाबाद के निदेशक के रूप में कार्य किया।

श्री मोहम्मद महफूज अली खान का निधन उनके कुछ समय बीमार रहने के पश्चात् 76 वर्ष की आयु में 4 जनवरी, 2008 को आगरा, उत्तर प्रदेश में हुआ।

श्री मनफूल सिंह चौधरी 1980 से 1989 तक सातवीं और आठवीं लोक सभा और 1991 से 1996 तक दसवीं लोक सभा के सदस्य रहे। उन्होंने राजस्थान के बीकानेर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इससे पूर्व वह 1952 से 1957 और 1962 से 1972 तक राजस्थान विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होंने 1965 से 1972 तक राजस्थान सरकार में राज्य मंत्री का पद भार भी संभाला।

श्री मनफूल सिंह चौधरी एक योग्य सांसद थे, वह आठवीं लोक सभा के दौरान सदन की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति संबंधी समिति के सदस्य रहे। दसवीं लोक सभा के दौरान वह सरकारी अश्वासनों संबंधी समिति तथा यातायात और पर्यटन संबंधी समिति के सदस्य रहे।

श्री मनफूल सिंह चौधरी एक प्रतिबद्ध सामाजिक और राजनैतिक कार्यकर्त्ता थे। उन्होंने पंचायत समिति, सूरतगढ़ के प्रधान, जिला परिषद गंगानगर के प्रमुख और 1956 से 1960 तक जिला भारत समाज सेवक समाज, गंगानगर और 1977 से 1980 तक जिला खेत मजदूर संघ, गंगानगर के संयोजक के रूप में कार्य किया। श्री चौधरी कृषि कालेज और ग्रामोत्थान विद्यापीठ समिति, सांगरिया के कार्यकारी सदस्य भी रहे। उन्होंने 'मरु भूमि सेवा कार्य' योजना के

अंतर्गत गंगानगर और बीकानेर जिलों में 100 से अधिक प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री मनफूल सिंह चौधरी का निधन 80 वर्ष की आयु में 9 जनवरी, 2008 को जयपुर में हुआ।

माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि प्रसिद्ध समाज सुधारक मुरलीधर देवीदास आमटे, जिन्हें बाबा आमटे के नाम से जाना जाता था, का निधन लंबी बीमारी के पश्चात 94 वर्ष की आयु में 9 फरवरी, 2008 को चन्द्रपुर में हुआ। मूलत: गांधीवादी विचारधारा के प्रवर्तक बाबा आमटे हमारे समय के सबसे बड़े प्रेरणादायी सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने महाराष्ट्र के चन्द्रपुर जिले के वरोरा में कुष्ठ रोगियों के उपचार तथा पुनर्वास हेतु "आनन्दवन" कम्यून की स्थापना की। उन्होंने अपने जीवन का अधिकतर समय इन रोगियों की देखरेख में ही बिताया।

बाबा आमटे एक स्वतंत्र सेनानी थे जिन्होंने गांधीवादी सिद्धांत के प्रति अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनकी इस नि:स्वार्थ सेवा को पूरे विश्व में सराहा गया था। उन्हें वर्ष 1999 में गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें डेमियन-डट्टन अवार्ड, मैग्सेसे अवार्ड, टेम्पलटन प्राइज और लाईवलीहुड अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। उनका नाम नोबल शांति पुरस्कार के लिए भी भेजा गया था। बाबा आमटे को पद्मश्री और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। नागपुर विश्वविद्यालय तथा पूना विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें मानद डाक्ट्रेट की उपाधि प्रदान की गयी।

उनकी मृत्यु से हुई क्षति को पूरा करना मुश्किल है। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्त्ता के रूप में प्यार, करुणा और सामाजिक सेवा का जो उदाहरण प्रस्तुत किया वह भावी पीढ़ियों के लिए पथ-प्रदर्शक सिद्ध होगा।

सर एडमंड हिलेरी का निधन 11 जनवरी, 2008 को हुआ। वह तेनजिंग नोर्गे के साथ विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले पहले पर्वतारोही थे। सभा इस महान पर्वतारोही और भारत के मित्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है। सर एडमंड का नाम भारत में चिर-परिचित है और उन्हें पर्वतारोहण के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों, हिमालय क्षेत्र के लोगों के कल्याण और हिमालय के संरक्षण में किए गए योगदान के लिए पूरे सम्मान के साथ याद किया जाता है। वर्ष 1985 से 1989 तक भारत में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त के रूप में उनके कार्यकाल को भारत में उनके अनेक मित्र और प्रशंसक बड़े सम्मान से याद करते हैं।

हम इन मित्रों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा मैं अपनी ओर से तथा इस सभा की ओर से शोक संतप्त परिवारों को अपनी संवेदनाएं प्रेषित करता हूं।

अब सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़ी होगी।

अपराह्न 12.38½ बजे

तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे।

अपराह्न 12.39 बजे

अध्यक्ष महोदय: अब सभा कल पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित होती है।

तत्पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 26 फरवरी, 2008/7 फाल्गुन, 1929 (शक) के पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

इंटरनेट

लोक सभा की सत्रावधि के प्रत्येक दिन के वाद-विवाद का मूल संस्करण भारतीय संसद की निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध है:

http://www.parliamentofindia.nic.in

लोक सभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण

लोक सभा की संपूर्ण कार्यवाही का लोक सभा टी.वी. चैनल पर सीधा प्रसारण किया जाता है। यह प्रसारण सत्रावधि में प्रतिदिन प्रात: 11.00 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से लेकर उस दिन की सभा समाप्त होने तक होता है।

लोक सभा वाद-विवाद बिक्री के लिए उपलब्ध

लोक सभा वाद-विवाद के मूल संस्करण, हिन्दी संस्करण और अंग्रेजी संस्करण की प्रतियां तथा संसद के अन्य प्रकाशन, विक्रय फलक, संसद भवन, नई दिल्ली-110001 पर बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

पी.एल.एस.–48/32/1/2008/1929 (एन०)
232

© 2008 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय
लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (बारहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अंतर्गत प्रकाशित और मैसर्स जैनको आर्ट इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।